नई दिल्ली ■ सोमवार 23 मार्च 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 354 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 बदलती पहचान, बदलता समाज | 07 आईपीएल में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे ऋषभ पंत | 'धुरंधर 2' पर चुप्पी को लेकर घिरीं दीपिका पादुकोण 08

मिडिल ईस्ट के हालात पर प्रधानमंत्री ने की बड़ी बैठक

शाह-नड्डा, पुरी समेत सीनियर लीडर रहे मौजूद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति के मद्देनजर कच्चे तेल, गैस और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों तथा ऊर्जा एवं उर्वरक क्षेत्रों से संबंधित स्थिति की रविवार को वरिष्ठ मंत्रियों के साथ समीक्षा की। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य देश भर में निर्बाध आपूर्ति और कुशल वितरण सुनिश्चित करना है तथा सरकार इस दिशा में सक्रिय कदम उठा रही है।

सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह , कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

● प्रधानमंत्री मोदी ने ईंधन, ऊर्जा और उर्वरक आपूर्ति की स्थिति का जायजा लिया

उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने इस उच्च स्तरीय बैठक में हिस्सा लिया। केंद्रीय मंत्रियों सर्बानंद सोनोवाल (बंदरगाह एवं जहाजरानी), मनोहर लाल खट्टर (ऊर्जा), प्रह्लाद जोशी (खाद्य एवं उपभोक्ता मामले), किंजरापु राममोहन नायडू (नागरिक उड्डयन) और हरदीप सिंह पुरी (पेट्रोलियम), राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और प्रधानमंत्री के दो प्रधान सचिव पी के मिश्रा और शक्तिकांत दास भी मौजूद थे। सूत्रों ने बताया कि पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति को देखते हुए कच्चे तेल, गैस, पेट्रोलियम उत्पादों और बिजली एवं उर्वरक क्षेत्रों से संबंधित स्थिति की समीक्षा की गई। सूत्रों के अनुसार सरकार पेट्रोलियम उत्पादों समेत सभी आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है। सूत्रों ने बताया कि बैठक में पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर मौजूदा वैश्विक स्थिति और उपभोक्ता एवं उद्योग हितों की रक्षा के लिए उठाए गए उपायों की समीक्षा की गई। मोदी ने 12 मार्च को कहा था कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने विश्वव्यापी ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है, जो राष्ट्रीय चरित्र की एक गंभीर परीक्षा है और इससे शांति, धैर्य एवं लोगों में अधिक जागरूकता के जरिये निपटने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री ने कहा था कि उनकी सरकार अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं में उत्पन्न व्यवधानों से निपटने के लिए लगातार काम कर रही है। मोदी ने कहा था, ''यह पता लगाने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं कि आपूर्ति श्रृंखला में आए व्यवधानों से हम कैसे पार पा सकते हैं।'' प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से दुनिया के कई नेताओं से बात की है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर 28 फरवरी को हमला किए जाने के बाद युद्ध की शुरुआत हुई। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इजराइल और खाड़ी क्षेत्र के अपने कई पड़ोसी देशों पर हमला किया। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बाधित कर दिया है, जो एक प्रमुख समुद्री मार्ग है और इसके जरिये दुनिया की 20 प्रतिशत ऊर्जा की ढुलाई होती है। संघर्ष शुरू होने के बाद से ईरान ने बहुत कम पोतों को इससे गुजरने की अनुमति दी है। इसके कारण भारत समेत कई देशों में ऊर्जा आपूर्ति में गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। संघर्ष शुरू होने के बाद से मोदी ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, फ्रांस, मलेशिया, इजराइल और ईरान के नेताओं से टेलीफोन पर बातचीत की है।

सरकार ने शहरों में गैस परियोजनाओं की तेजी से मंजूरी के निर्देश दिए

नई दिल्ली। सरकार ने गैस वितरण को सुव्यवस्थित करने और आपूर्ति दबाव को कम करने के लिए कदम तेज कर दिए हैं। इसके तहत शहरों में पाइपलाइन गैस परियोजनाओं (सीएनजी/पीएनजी) के आवेदन तेजी से निपटाने और प्रमुख क्षेत्रों को वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने का निर्देश दिया गया है, ताकि चुनौतीपूर्ण वैश्विक भू-राजनीतिक हालात के बीच घरेलू और व्यावसायिक जरूरतों को पूरा किया जा सके। एक आधिकारिक बयान के अनुसार पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) ने अपने कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे शहर गैस वितरण (सीजीडी) के सभी आवेदन केवल 10 दिनों में निपटाएं। इसका उद्देश्य पाइपलाइन के माध्यम से प्राकृतिक गैस की व्यवस्था को तेजी से शुरू करना है। बड़े शहरों और शहरी क्षेत्रों में व्यावसायिक एलपीजी उपभोक्ताओं को भी एलपीजी पर निर्भरता कम करने की व्यापक रणनीति के तहत पाइप के जरिये आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) की ओर स्थानांतरित होने की सलाह दी गई है।

सरकार के मुखिया के तौर पर पीएम मोदी ने रचा कीर्तिमान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को लगातार 8,931 दिनों तक सरकार के मुखिया के रूप में सेवा का नया कीर्तिमान रच दिया है। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के इसी तरह के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। भाजपा के दिग्गज नेताओं ने इस उपलब्धि को अटूट प्रतिबद्धता और जनसेवा का मील का पत्थर बताया है। इसमें गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनके तीन कार्यकाल और प्रधानमंत्री के रूप में उनका वर्तमान तीसरा कार्यकाल शामिल है। 24 वर्षों से अधिक के इस लंबे सफर में उन्होंने एक भी दिन का अवकाश नहीं लिया।

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि दशकों तक लगातार सार्वजनिक सेवा और नेतृत्व को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नाम कई विशिष्ट उपलब्धियां भी दर्ज हैं। वह गुजरात के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले मुख्यमंत्री रहे हैं। साथ ही, वह ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनके पास मुख्यमंत्री के रूप में सबसे लंबा अनुभव रहा है। अमित मालवीय ने कहा कि नरेन्द्र मोदी स्वतंत्रता के बाद जन्म लेने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं। इसके अलावा, उन्होंने 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में लगातार तीन बार जीत दर्ज की है।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में मोदी के कार्यकाल के दौरान देश ने बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल क्रांति, प्रभावी जन कल्याण योजनाओं और 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में तेजी से प्रगति की है। उन्होंने एक पोस्ट में कहा, ''2014, 2019 और 2024 में लगातार तीन लोकसभा चुनावों में प्राप्त ऐतिहासिक जनादेश देशवासियों के उन पर अटूट विश्वास का प्रमाण है।'' वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में 8,931 दिन के साथ, प्रधानमंत्री मोदी की ''जनसेवा'' यात्रा समावेशी विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। गोयल ने कहा, ''कड़ी मेहनत और राष्ट्र निर्माण के प्रति दृढ़ संकल्प से प्रेरित होकर, सार्वजनिक सेवा में बिताए उनके वर्षों ने भारत की विकास गाथा को और मजबूत किया है।'' संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने प्रधानमंत्री की इस उपलब्धि को ''वास्तव में एक उल्लेखनीय मील का पत्थर'' बताया और कहा कि उनकी 8,931 दिन की सेवा ''अथक समर्पण, ईमानदारी और राष्ट्र-प्रथम शासन'' का प्रमाण है।

वरिष्ठ नेताओं ने मील का पत्थर बताया

"यह रिकॉर्ड सेवा, परिश्रम और अटूट प्रतिबद्धता की नींव पर बना है। मोदी के 8,931 दिन राष्ट्र-प्रथम शासन और कार्यों में सत्यनिष्ठा को दर्शाते हैं। उन्होंने बिना छुट्टी लिए राष्ट्र की सेवा की है, यही कारण है कि उन्हें जनता का अभूतपूर्व स्नेह प्राप्त हो रहा है।

- अमित शाह, गृहमंत्री

"प्रधानमंत्री मोदी अब भारत में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले सरकार प्रमुख बन गए हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक उनका जीवन निरंतर सेवा का मार्ग रहा है। यह उपलब्धि उनके समर्पित नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण है।

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

संक्षिप्त खबरें

छत्तीसगढ़ के खल्लारी मंदिर में रोप-वे टूटा, एक की महिला मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में स्थित प्रसिद्ध खल्लारी माता मंदिर में रविवार को श्रद्धालुओं को पहाड़ी पर ले जाने वाला रोपवे अचानक टूटकर नीचे गिर गया, हादसे में एक महिला श्रद्धालु की मौत हुई है और कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इधर दुर्घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दुख जताते हुए संबंधित अधिकारियों को घायलों के बेहतर उपचार हेतु आवश्यक निर्देश दे दिए गए हैं। खल्लारी पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक नवरात्रि उत्सवों के कारण आज रविवार सुबह से ही खल्लारी माता मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। इसी दौरान जब यात्रियों को ले जा रही रोपवे की दो ट्रॉलियां ऊपर की ओर जा रही थीं, तो अचानक वे बेकाबू होकर नीचे जमीन पर आ गिरीं । इस दुर्घटना में रायपुर निवासी आयुषी सतकर (28 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई है, वहीं 10 से अधिक लोग गंभीर रूप से आठ घायल हुए हैं।

भारी बर्फबारी के बीच केदारनाथ धाम में सुरक्षा कड़ी, मुस्तैद जवान

रुद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम में हालिया भारी बर्फबारी के बाद पूरी केदार घाटी बर्फ की मोटी चादर से ढक गई है, जिससे धाम का दृश्य अत्यंत मनोहारी हो गया है। प्रशासन की ओर से रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सुरक्षा बल हर संभावित स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट मोड में हैं और धाम क्षेत्र में गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। शून्य से नीचे तापमान के बावजूद उत्तराखंड पुलिस और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार तैनात हैं। प्रशासन के अनुसार,सुरक्षा एजेंसियां बर्फबारी के बीच भी नियमित गश्त कर रही हैं और धाम परिसर की सुरक्षा को अभेद्य बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विषम परिस्थितियों के बावजूद जवान उच्च सतर्कता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। इसके साथ ही जवान अपने बैरकों और आसपास जमी बर्फ को स्वयं साफ कर कार्यप्रणाली को सुचारू बनाए हुए हैं, जिससे कठिन मौसम के बीच भी संचालन प्रभावित न हो।

नेपाल: रामनवमी के दिन बालेन्द्र शाह लेंगे पीएम पद की शपथ

काठमांडू। नेपाल में नई सरकार का शपथ ग्रहण चैत्र नवरात्रि के रामनवमी के दिन होने जा रहा है। 27 मार्च को बालेन्द्र शाह प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह के लिए बिमस्टेक संबद्ध देशों को आमंत्रित किया गया है। संसद सचिवालय के मुताबिक बालेन्द्र शाह 27 मार्च को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। हालांकि मंत्रियों के शपथ ग्रहण से संबंधित जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। बताया गया है कि बालेन्द्र शाह ज्योतिषीय सलाह पर रामनवमी के दिन शपथ ग्रहण लेने जा रहे हैं। आरएसपी के महामंत्री कविन्द्र बुरलाकोटी ने भी पुष्टि की है कि बालेन्द्र शाह रामनवमी के दिन आधिकारिक रूप से प्रधानमंत्री बनेंगे।

अमेरिका का LPG जहाज टेक्सास से मंगलुरु पहुंचा

मंगलुरु (कर्नाटक)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण आपूर्ति में आई कमी के बीच अमेरिका से एलपीजी (रसोई गैस) लेकर एक जहाज रविवार को न्यू मंगलुरु बंदरगाह पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि 'पिक्सिस पायनियर' नामक यह जहाज 14 फरवरी को टेक्सास के 'पोर्ट ऑफ नीदरलैंड' से रवाना हुआ था और इसमें 16,714 टन एलपीजी लाई गई है, जिसे एजिस लॉजिस्टिक्स को उतारा जाएगा। यह जहाज एक दिन के भीतर बंदरगाह पहुंचने वाले रूसी जहाज 'एक्वा टाइटन' के बाद आया है।

यह घटनाक्रम इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि मंगलुरु में देश की सबसे बड़ी भूमिगत एलपीजी भंडारण सुविधा मौजूद है, जो सितंबर, 2025 में शुरू हुई थी। समुद्र तल से करीब 225 मीटर नीचे

स्थित इस भंडारण केंद्र की क्षमता 80,000 टन है। इससे पहले, 'एक्वा टाइटन' नाम का कच्चे तेल का एक रूसी जहाज, जो पहले चीन जा रहा था, कुछ दिन पहले भारत की ओर मोड़ दिया गया था। यह जहाज शनिवार शाम मंगलुरु तट के पास पहुंचा, जिसमें करीब 7.7 लाख बैरल कच्चा तेल था। बताया जा रहा है कि इस कच्चे तेल को समुद्र में बनी पाइपलाइन के जरिये मंगलुरु रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) तक पहुंचाया जा रहा है।

कतर की सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश, 6 लोगों की मौत, तकनीकी खराबी के कारण हादसा

दोहा। खाड़ी देश कतर के समुद्री क्षेत्र में रविवार को बड़ा हादसा हुआ, जब नियमित ड्यूटी पर तैनात सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि हादसे में एक लापता व्यक्ति की खोज के लिए अभियान जारी है। कतर न्यूज एजेंसी के अनुसार रविवार को कतर के समुद्री क्षेत्र में सेना का हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता है। कतर के गृह मंत्रालय के अनुसार, हेलीकॉप्टर में कुल सात लोग सवार थे। दुर्घटना के तुरंत बाद बचाव और राहत कार्य शुरू किया गया।

लापता व्यक्ति की तलाश के लिए समुद्री क्षेत्र में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इससे पहले कतर रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि यह दुर्घटना

नियमित ड्यूटी के दौरान हुआ। मंत्रालय के अनुसार, उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर में अचानक तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण वह समुद्र में गिर गया। घटना के बाद इमरजेंसी सेवाएं और संबंधित अधिकारियों ने तुरंत मौके पर पहुंच कर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है और तकनीकी खराबी के पीछे की वजह का पता लगाया जा रहा है। यह हादसा कतर की सुरक्षा और रक्षा व्यवस्था के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। यह दुर्घटना ऐसे समय में हुई है जब इस क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ गई है। पश्चिम एशिया में करीब तीन हफ्तों से अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध के बीच कतर को ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों का भी सामना करना पड़ा है। कतर के 'रास लाफ़ान इंडस्ट्रियल सिटी'- जो दुनिया के सबसे बड़े तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) उत्पादन केंद्रों में से एक है, उसे कई मौकों पर निशाना बनाया गया है।

केसी त्यागी रालोद में शामिल, कहा-अभी भी करते हैं नीतीश का सम्मान

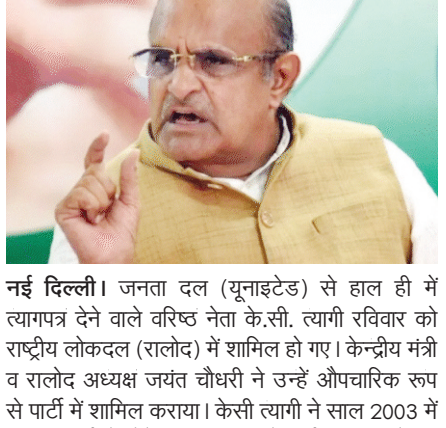

नई दिल्ली। जनता दल (यूनाइटेड) से हाल ही में त्यागपत्र देने वाले वरिष्ठ नेता के.सी. त्यागी रविवार को राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) में शामिल हो गए। केन्द्रीय मंत्री व रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल कराया। केसी त्यागी ने साल 2003 में समता पार्टी से होते हुए जद (यू) में कई वरिष्ठ पदों की जिम्मेदारी संभाली थी। वे जद (यू) के मुख्य महासचिव, मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार रहे। माना जा रहा है कि नीतीश कुमार के बिहार के मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र देकर राज्यसभा सदस्य के रूप में केन्द्र में शामिल होने के चलते उन्होंने जद (यू) से किनारा किया। हालांकि उन्होंने जद (यू) छोड़ने का कोई कारण नहीं बताया। रालोद में शामिल होने के बाद भी उन्होंने जद (यू) के प्रति कोई नकारात्मक टिप्पणी नहीं की। उन्होंने कहा कि वे नीतीश कुमार का पूरा सम्मान करते हैं। जद (यू) और रालोद में समानता है। दोनों ही दल चौधरी चरण सिंह, कर्पूरी ठाकुर और राममनोहर लोहिया के विचारों से प्रभावित हैं और उनके आदर्श हैं।

ईसीआई का बड़ा फैसला: विधानसभा चुनाव और उपचुनावों में मतदान केंद्रों पर मिलेंगी खास सुविधाएं

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मतदाताओं के अनुभव को सुखद और सुगम बनाने के लिए 'न्यूनतम सुविधाएं' (एएमएफ) और 'मतदाता सहायता' को लेकर कड़े निर्देश जारी किए हैं। चुनावी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि कुल 2,18,807 मतदान केंद्रों पर सभी आवश्यक सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध हों। आयोग ने मतदान केंद्रों पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर जोर दिया है। इनमें मतदान सुविधा केंद्र (एएमएफ) में पीने का पानी, छायादार प्रतीक्षा क्षेत्र, पानी की सुविधा वाला शौचालय, पर्याप्त रोशनी, दिव्यांग मतदाताओं के लिए उचित ढलान वाला रैंप, मानक मतदान कक्ष और उचित संकेतक शामिल हैं।

मतदान अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे कतार में नियमित अंतराल पर बेंच लगाएं ताकि मतदाता अपनी बारी का इंतजार करते समय बैठ सकें। इसके अलावा मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाने के लिए, सभी मतदान केंद्रों पर चार एकसमान और मानकीकृत मतदाता सुविधा पोस्टर (वीएफपी) प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएंगे जिनमें मतदान केंद्र का विवरण, उम्मीदवारों की सूची, क्या करें और क्या न करें, मान्य पहचान दस्तावेजों की सूची और मतदान प्रक्रिया की जानकारी होगी। इस बार चुनावों में तकनीक और सहायता पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाता सहायता बूथ (वीएबी) स्थापित किए जाएंगे जिनमें बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) और कर्मचारियों की एक टीम होगी जो मतदाताओं को संबंधित बूथ की मतदाता सूची में अपना मतदान बूथ नंबर और क्रम संख्या ढूंढने में सहायता करेगी। वीएबी पर प्रमुख संकेत होंगे और मतदान परिसर में पहुंचते ही मतदाताओं को आसानी से दिखाई देंगे। मतदाताओं की सुविधा के लिए चुनाव आयोग द्वारा उठाए गए कई कदमों में से एक यह है कि मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार के बाहर मतदाताओं के लिए मोबाइल फोन जमा करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी का कार्यालय नए पते पर स्थानांतरित होगा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) का कार्यालय सोमवार से भारतीय शिपिंग निगम के भवन में स्थित एक नए परिसर में स्थानांतरित होने जा रहा है, जिससे नेताजी सुभाष रोड स्थित अपने पुराने कार्यालय में 18 वर्षों का लंबा कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। सीईओ का कार्यालय, जो लगभग दो दशकों से बाल्मर लॉरी बिल्डिंग में 21 नेताजी सुभाष रोड पर कार्यरत है और कई राज्य चुनावों की देखरेख कर चुका है, सोमवार से नए स्थान पर चरणबद्ध तरीके से परिचालन शुरू करेगा और जल्द ही पूर्ण परिचालन शुरू होने की उम्मीद है। पश्चिम बंगाल विधानसभा कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, स्थानांतरण की प्रक्रिया सोमवार से शुरू होगी। नया परिसर काफी बड़ा है और बढ़ते कार्यबल और परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित है, खासकर आगामी 2026 विधानसभा चुनावों को देखते हुए।

निर्वाचन आयोग ने चुनाव से पहले बंगाल में निगरानी बढ़ाई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में निर्वाचन आयोग के चुनावी तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी बढ़ाए जाने के मद्देनजर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार से राज्य भर के थानों का दौरा शुरू कर दिया। वरिष्ठ अधिकारी इस दौरान थाना प्रभारियों को स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपायों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि आयोग के निर्देशों के अनुरूप आगामी चुनाव से पहले कानून व्यवस्था की समीक्षा के लिए पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों ने थानों का दौरा शुरू कर दिया है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन से पहले मुख्यमंत्री योगी ने लिया तैयारियों का जायजा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मार्च को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का करेंगे उद्घाटन

नोएडा। जेवर में नवनिर्मित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लोकार्पण की तैयारियों का जायजा लेने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को नोएडा पहुंचे। जेवर एयरपोर्ट पर करीब डेढ़ घंटे तक अधिकारियों के साथ बैठक कर उद्घाटन समारोह की तैयारियों व सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और जरूरी निर्देश दिए। इस नवनिर्मित इंटरनेशनल एयरपोर्ट को लोकार्पण 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आज लखनऊ से हवाई मार्ग से गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट पहुंचे और यहां से वे हेलीकॉप्टर के जरिये नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे। यहां भाजपा नेताओं और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। उनके साथ उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार और मुख्यमंत्री के विशेष सचिव ईशान प्रताप सिंह भी गौतमबुद्ध नगर पहुंचे हैं। यहां उन्होंने एयरपोर्ट में चल रही तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने एयरपोर्ट और जनसभा स्थल का निरीक्षण करके यहां की सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इसके बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सभागार में अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री योगी ने बैठक की। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के सामने समारोह की योजना, सुरक्षा प्लान और जनसभा में लोगों के आने वालों की संख्या और उनके बैठने की व्यवस्था जैसी तैयारियों की जानकारी रखी। वहीं, प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर होने वाली सुरक्षा प्लानिंग की समीक्षा भी की गई।

मुख्यमंत्री योगी ने जनसभा में पार्किंग व्यवस्था का व्यवस्थित मैप तैयार करने के साथ ही साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा सुविधा, अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस दौरान गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, प्रभारी मंत्री कुंवर वृजेश सिंह, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह, पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह, डीएम गौतमबुद्धनगर मेघा रूपम, सीईओ यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण राकेश कुमार सिंह, एसीईओ शैलेन्द्र भाटिया, डीसीपी पूनम मिश्रा, एडीएम वित्त अतुल कुमार, एडीएम प्रशासन मंगलेश दुबे, इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ क्रिस्टोफ श्रेलमैन, सीओओ किरन जैन, सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर कमिश्नरेट पुलिस, यमुना प्राधिकरण और जिला प्रशासन की ओर से तैयारियां की गई थी। इस दौरान सुरक्षा के लिहाज से भी कड़ी व्यवस्था की गई।

- नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सभागार में अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री योगी ने बैठक की। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के सामने समारोह की योजना, सुरक्षा प्लान और जनसभा में लोगों के आने वालों की संख्या और उनके बैठने की व्यवस्था जैसी तैयारियों की जानकारी रखी। वहीं, प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर होने वाली सुरक्षा प्लानिंग की समीक्षा भी की गई।
- मुख्यमंत्री योगी ने जनसभा में पार्किंग व्यवस्था का व्यवस्थित मैप तैयार करने के साथ ही साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा सुविधा, अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

राजकीय महाविद्यालय में जॉब फेयर आज

नोएडा। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सोमवार को जॉब फेयर आयोजित होगा। इसमें एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक सहित कई बड़ी कंपनियां शामिल होंगी। कॉलेज प्रशासन की ओर से इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रिंसिपल अनीता मिश्रा ने बताया कि जॉब फेयर छात्रों के लिए सुनहरा अवसर है। छात्रों को बिना किसी मध्यस्थ के सीधे कंपनियों के प्रतिनिधियों से मिलने का अवसर मिलेगा। साथ ही योग्यता के आधार पर चयनित होने का मौका मिलेगा।

महर्षि पाणिनि गुरुकुल में नए सत्र के लिए प्रवेश शुरू

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा संवाद। सेक्टर-ईटा-1 स्थित महर्षि पाणिनि वेद-वेदांग विद्यापीठ गुरुकुल में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। कक्षा 6 से 9 और 11वीं के लिए इच्छुक छात्र-छात्राएं 28 मार्च 2026 तक ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

गुरुकुल में प्रवेश पूरी तरह निशुल्क हैं। यह जानकारी प्रवेश प्रमुख वीरेंद्र शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि प्रवेश के लिए आयु सीमा और शैक्षणिक योग्यता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के निर्धारित मानकों के अनुसार होगी। संस्कृत, वेद-वेदांग या सामान्य पाठ्यक्रम से पढ़ रहे विद्यार्थी भी विश्वविद्यालय के नियमों के तहत प्रवेश के पात्र होंगे। गुरुकुल में आवासीय (हॉस्टल) और डे-स्कॉलर दोनों सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस वर्ष बालक और बालिकाओं दोनों के लिए प्रवेश खोला गया है, हालांकि बालिकाओं के लिए केवल डे-स्कॉलर की व्यवस्था रहेगी। चयन प्रक्रिया लिखित परीक्षा और मौखिक साक्षात्कार के आधार पर होगी, जिसकी जानकारी अभ्यर्थियों को वेबसाइट, व्हाट्सएप या ईमेल के माध्यम से दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रवेश के लिए छात्रों को जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन नंबर और पिछली कक्षा का प्रमाण पत्र या विद्यालय आईडी प्रस्तुत करना होगा।

यहां विद्यार्थियों को संस्कृत विषयों के साथ-साथ एनसीईआरटी पाठ्यक्रम भी अनिवार्य रूप से पढ़ाया जाएगा। कक्षा 11 और 12 में सेमेस्टर प्रणाली लागू है और पूरा पाठ्यक्रम केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार संचालित होता है।

एलिवेटेड रोड से उतरते ही अनियंत्रित होकर ऑटो रिक्शा पलटा एक व्यक्ति की मौत, अन्य सड़क हादसों मे तीन की गई जान

नोएडा। उप्र के नोयडा में थाना फेस-दो क्षेत्र के भंगेल नाले के पास एलिवेटेड रोड से उतरते ही एक ऑटो रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। इस घटना में ऑटो में सवार महिला और पुरुष गंभीर उसे घायल हो गए। उपचार के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। थाना फेस- 2 के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि सदन सरकार पुत्र दुलाल सरकार उम्र 40 वर्ष ऑटो रिक्शा में एक महिला को बैठाकर अगाहपुर गांव की तरफ से एलिवेटेड रोड होते हुए फेस दो जा रहे थे। जैसे ही वह एलिवेटेड रोड से उतरे भंगेल नाले के पास उनका ऑटो रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया।

उन्होंने बताया कि इस घटना में सदन सरकार तथा ऑटो में सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान सदन सरकार की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि महिला उपचाराधीन है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में 28 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति को अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दिया।

इस घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि आसपास की लोगों की सहायता से पुलिस शव की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। थाना बादलपुर के प्रभारी निरीक्षक अमित भड़ाना ने बताया कि बीती रात को थाना क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में प्रभाकर पुत्र वीरेंद्र उम्र 36 वर्ष मूल निवासी जनपद औरैया गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

थाना सेक्टर 49 के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार भारद्वाज ने बताया कि ओम नारायण पुत्र नारायण शर्मा उम्र 66 वर्ष थाना क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना जेवर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के कानी गढ़ी गांव में रहने वाली कुमारी चंचल पुत्री सुभाष उम्र 25 वर्ष ने बीती रात को मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना

तीन लोगों ने की आत्महत्या,4 की संदिग्ध अवस्था में मौत

नोएडा। उप्र के नोएडा में विभिन्न जगहों पर रहने वाले तीन लोगों ने मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर 126 के प्रभारी निरीक्षक सोमेश कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाले आशुतोष पुत्र रंजीत कुमार उम्र 26 वर्ष मूल निवासी बिहार ने बीती रात को मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाक मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ईकोटेक -3 के प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह ने बताया कि गोविंद कुमार पुत्र विजय बहादुर उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम रोजा जलालपुर ने बीती रात को मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी निरीक्षक सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि सेक्टर 150 स्थित एक सोसाइटी में रहने वाले मोहम्मद वसीम पुत्र मोहम्मद अब्बास उम्र 43 वर्ष अपनी सोसाइटी से संदिग्ध परिस्थितियों में ऊंचाई से नीचे गिर गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ला ने बताया कि सेक्टर 46 के बी ब्लॉक में रहने वाले 25 वर्षीय युवक शिवम पुत्र ओमप्रकाश को उसके परिजनों ने बीती रात को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि प्रमोद कुमार उम्र 46 वर्ष को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया की मौत के कारण का पता लगाने के लिए पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवा रही है। थाना सेक्टर 126 के प्रभारी सोमेश कुमार ने बताया कि त्रिपुरा रविदास पुत्र छेदीलाल उम्र 52 वर्ष की बीती रात को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है।

उनके शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना ईकोटेक -3 के प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह ने बताया कि संतोष पत्नी स्वर्गीय भूले सिंह उम्र 85 वर्ष निवासी ग्राम जलपुरा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नवजात बच्ची को बेचने के आरोप में अस्पताल की मालकिन और दो कर्मचारी गिरफ्तार, दो फरार

नोएडा। नोयडा में पांच दिन की नवजात बच्ची को बेचने के आरोप में थाना बिसरख पुलिस ने एक निजी अस्पताल की मालकिन और वहां काम करने वाले दो कर्मचारियों को बीती रात को गिरफ्तार किया है। इस घटना में शामिल नर्स व उसका पति फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि बीती रात को चाइल्ड लाइन 1098 से सूचना प्राप्त हुई की अंशु माली गोयल नामक व्यक्ति ने सूचना दी है कि कुछ लोग एक 5 दिन की नवजात बच्ची को बेच रहे हैं।

इस सूचना के आधार पर एक टीम बनाई गई, तथा टीम ने बीती रात को इस मामले में रणजीत सिंह पुत्र नाथू सिंह उम्र 24 वर्ष,गजेंद्र सिंह पुत्र दरिया प्रसाद उम्र 35 वर्ष तथा यशिका गर्ग पत्नी अनिल गर्ग को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला है कि यशिका गर्ग ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित नवजीवन अस्पताल नंबरदार मार्केट की मालकिन है। गिरफ्तार दो अन्य कर्मचारी गजेंद्र और रंजीत सिंह भी नवजीवन हॉस्पिटल में काम करते हैं। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अस्पताल की मालकिन ने बताया कि अंजलि नाम की महिला ने 5 दिन पहले उनके अस्पताल में एक बच्ची को जन्म दिया। उसने कहा कि वह बच्ची को पालने में असमर्थ है। आप इसे अपने पास रख लो।

अस्पताल की मालकिन के अनुसार अंजलि ने अस्पताल का बिल भी नहीं दिया। उसके बाद उनके मन में यह लालच आया तथा उन्होंने बच्ची को बेचने के संबंध में सोचा। अस्पताल की मालकिन ने बताया कि उसने अपने अस्पताल में काम करने वाली नर्स पुष्पा को बच्ची को बेचने के लिए कहा। उसने एए सोसाइटी में इस बात को बताई। किसी व्यक्ति ने सोसाइटी के ग्रुप पर इस मैसेज को डाल दिया।

उसके बाद संगीता पत्नी अंशु मलिक गोयल ने उनसे बच्ची को गोद लेने के लिए संपर्क किया। पुष्पा ने अपने पति का मोबाइल नंबर संगीता को दिया। संगीता के द्वारा बात की गई तो पुष्पा के पति ने अस्पताल की मालकिन यशिका गर्ग से बात कर कहा कि बच्ची को गोद लेने से पहले 2 लाख 60 हजार रुपए देने पड़ेंगे। इस बात से संगीता को अपराध की बू आई तथा उन्होंने इसकी सूचना चाइल्ड लाइन को दी। इसके बाद पुलिस ने जाल बिछाकर कार्रवाई करते हुए तीनों को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना में शामिल नर्स तथा उसका पति फरार है। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

ओरिएंटेशन डे का सफल आयोजन

ग्रेटर नोएडा। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, केपी-III ने अपने विद्यालय परिसर में ओरिएंटेशन डे का सफल आयोजन किया, जिसमें अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विद्यालय की शैक्षणिक दृष्टि और शिक्षण पद्धतियों की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम का शुभारंभ गरिमापूर्ण स्वागत के साथ हुआ, जिसके बाद निदेशिका श्रीमती कंचन कुमारी और प्रधानाचार्या डॉ. हीमा शर्मा ने प्रेरणादायी संबोधन दिया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सिद्धांतों के अनुरूप समग्र विकास, अनुभवात्मक शिक्षण और विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन विकसित करने के महत्व पर विशेष जोर दिया। ओरिएंटेशन डे का मुख्य आकर्षण राष्ट्रीय शिक्षा नीति आधारित शिक्षण प्रदर्शन रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने नवाचारपूर्ण और गतिविधि-आधारित कक्षा प्रक्रियाओं का प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण किया। इससे अभिभावकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के प्रभाव और विद्यार्थियों की सहभागिता में वृद्धि का प्रत्यक्ष अनुभव हुआ। अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को और भी सार्थक बनाया तथा विद्यालय और अभिभावक समुदाय के बीच साझेदारी को मजबूत किया। कार्यक्रम का समापन सकारात्मक माहौल में हुआ, जिसमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण प्रदान करने की प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित किया गया।

बैंड ऑफ ब्रदर्स ने 27 रन से जीता मुकाबला

नोएडा। सेक्टर-115 स्थित रणभूमि क्रिकेट मैदान में खेले गए आरबी वीकडे नाइट्स टी-20 मुकाबले में बैंड ऑफ ब्रदर्स ने लाइमलाइट टीम को 27 रन से हरा दिया। मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बैंड ऑफ ब्रदर्स' ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 235 का स्कोर बनाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लाइमलाइट टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 208 रन बना सकी। मैच में 96 रन बनाने वाले टीजे को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

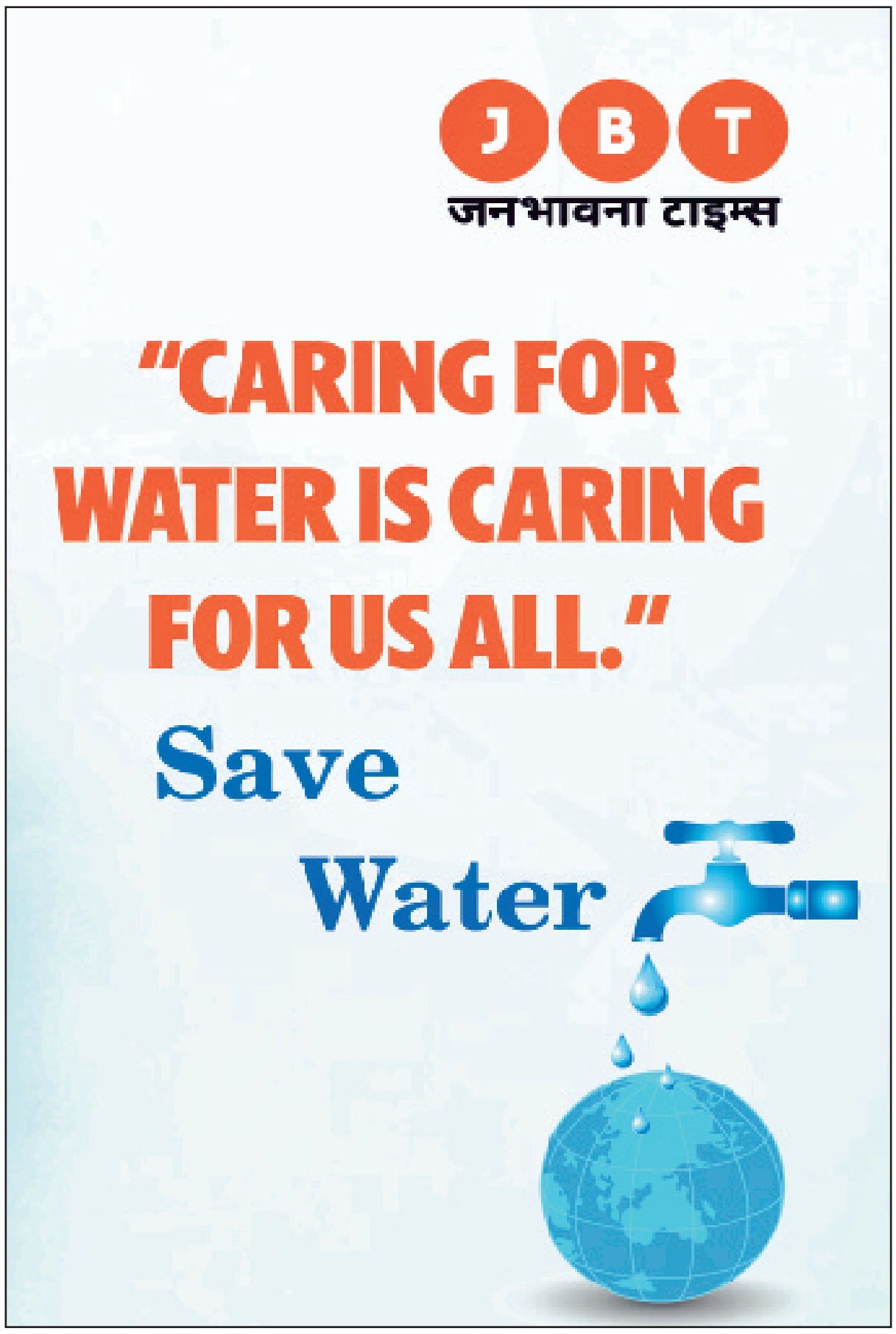

दिल्ली के अस्पतालों का होगा एकीकरण, बढ़ेंगी पीजी और एमबीबीएस की सीटें : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों के एकीकरण से न केवल चिकित्सा सुविधाओं में सुधार होगा बल्कि चिकित्सा शिक्षा को भी लाभ मिलेगा। इसके साथ ही एमबीबीएस तथा पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) सीटों में उल्लेखनीय वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। दिल्ली सरकार गुरु तेग बहादुर अस्पताल (जीटीबी), दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (डीएससीआई) और राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल (आरजीएसएसएच) को एकीकृत कर एम्स मॉडल की तर्ज पर एक स्वायत्त संस्थान विकसित करने जा रही है। साथ ही, इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर ऐंड एलाइड साइंसेज (इहबास) को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान-2 के रूप में विकसित करने की दिशा में भी पहल कर रही है। मुख्यमंत्री ने रविवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री का कहना है कि इस परियोजना का एक प्रमुख उद्देश्य पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) सीटों में बड़े स्तर पर वृद्धि करना है ताकि अधिक से अधिक डॉक्टरों को विशेषज्ञ प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा सके और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को मजबूत किया जा सके। इसके तहत राजीव गांधी अस्पताल, दिल्ली कैंसर इंस्टीट्यूट और जीटीबी अस्पताल में चल रहे समान विषयों और विभागों को एकीकृत किया जाएगा। वर्तमान में कई विभाग अलग-अलग संस्थानों में संचालित हो रहे हैं, जिसके कारण उपलब्ध संसाधनों और मानव बल का पूर्ण उपयोग नहीं हो पा रहा है। इंटीग्रेशन के बाद इन सभी विभागों के फैकल्टी (एसिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर) को एक साथ जोड़कर उनकी क्षमता के अनुरूप पीजी सीटों में वृद्धि की जाएगी। मेडिकल नियमों के अनुसार, एक एसोसिएट प्रोफेसर दो पीजी सीट और एक प्रोफेसर तीन पीजी सीट सपोर्ट कर सकता है इसलिए फैकल्टी को एकीकृत करने से सीटों में स्वतः वृद्धि होगी। विभाग के अनुसार रेडियोलॉजी, पैथोलॉजी और एनेस्थीसिया जैसे विषयों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की संभावना है। रेडियोलॉजी में जहां पहले सीटों की संख्या सीमित या शून्य थी, वहीं एकीकरण के बाद यह संख्या बढ़कर लगभग 22 तक पहुंच सकती है। वहीं पैथोलॉजी में सीटों की संख्या करीब 26 तक और एनेस्थीसिया में लगभग 48 तक बढ़ने का अनुमान है। यह वृद्धि केवल विभागों को जोड़ने से ही नहीं बल्कि खाली पड़े पदों को भरने से भी संभव होगी क्योंकि अभी कई अस्पतालों में फैकल्टी की नियुक्ति पूरी नहीं है।

इसके अतिरिक्त, कुछ विशेष विभाग ऐसे भी हैं जहां वर्तमान में पीजी सीटें उपलब्ध नहीं हैं, जैसे दिल्ली कैंसर इंस्टीट्यूट और राजीव गांधी अस्पताल के कुछ विशिष्ट विभाग। एकीकरण के बाद इन विभागों में नए डॉक्टरों की नियुक्ति कर पीजी कोर्स शुरू किए जाएंगे। दिल्ली कैंसर इंस्टीट्यूट में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, न्यूक्लियर मेडिसिन, कैंसर रिसर्च और आईसीयू जैसे विभागों में लगभग 26 नई पीजी सीटें जोड़ी जा सकती हैं। वहीं राजीव गांधी अस्पताल में हृदय रोग और हृदय शल्य चिकित्सा (कार्डियक सर्जरी) जैसे विभागों में भी लगभग 14 नई सीटों की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिस्तरों की संख्या, मरीजों की संख्या और फैकल्टी बढ़ने से भविष्य में एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ाने की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। इसके लिए हॉस्टल, आधुनिक प्रयोगशालाओं, लेक्चर थिएटर और अन्य शैक्षणिक सुविधाओं के विकास की योजना बनाई जाएगी ताकि छात्रों को बेहतर शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य केवल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना ही नहीं है, बल्कि चिकित्सा शिक्षा का विस्तार और रिसर्च को बढ़ावा देना भी है।

दिल्ली बजट 2026-27 में गांव, ग्रामीण व किसानों के मुद्दों को शामिल करने की मांगः दिल्ली पंचायत संघ

नई दिल्ली। दिल्ली पंचायत संघ ने दिल्ली की मुख्यमंत्री से आगामी बजट वर्ष 2026-27 में गांव ग्रामीण किसानों के मुद्दों को शामिल करने की मांग की है। साथ ही, जनभागीदारी के माध्यम से बजट तैयार करने की पहल का संघ ने स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया है।पंचायत संघ के प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि दिल्ली देहात के गांवों और किसानों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान अब बजट के माध्यम से किया जाना आवश्यक है। उन्होंने मांग की कि गांवों को मलिकाना हक दिया जाए तथा उन्हें हाउस टैक्स, कन्वर्जन चार्ज और पार्किंग चार्ज से मुक्त किया जाए। साथ ही, गांवों को भवन उपनियमों से बाहर रखते हुए रोजगार सृजन के लिए उन्हें व्यवसायिक श्रेणी में शामिल किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि स्मार्ट सिटी की तर्ज पर स्मार्ट गांव विकसित करने के लिए विशेष बजट प्रावधान किया जाए। गांवों में बारात घर और पंचायत घरों का निर्माण व पुनर्निर्माण, जल स्त्रोतों का निर्माण, तालाबों का विकास, मुख्य मार्गों और फिरनी को 100 फुट चौड़ा करने तथा प्रत्येक गांव में पार्किंग स्थल विकसित करने की योजना बनाई जाए।पंचायत संघ ने यह भी मांग की कि गांवों के मुख्य द्वार पर शिलालेख स्थापित कर उनकी ऐतिहासिक गाथा अंकित की जाए, गांवों के ले-आउट प्लान तैयार किए जाएं और जमीन से जुड़े सभी दस्तावेजों को उर्दू व फारसी से हिंदी में परिवर्तित किया जाए। थान सिंह यादव ने किसानों के हितों को लेकर कहा कि उनकी कृषि भूमि का सर्किल रेट बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये प्रति एकड़ किया जाए, ताकि उन्हें न्याय मिल सके। साथ ही, बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली की सीमाओं पर वन क्षेत्र विकसित किए जाएं, जिनमें फलदार एवं छायादार वृक्ष लगाए जाएं तथा जल स्रोत भी विकसित किए जाएं। उन्होंने कहा कि गांवों में खेल मैदानों का निर्माण, जहां स्वास्थ्य केंद्र या मोहल्ला क्लीनिक नहीं हैं वहां आरोग्य सेवा केंद्र स्थापित किए जाएं। सड़कों पर विचरण कर रही गायों के संरक्षण के लिए गौशालाओं की संख्या बढ़ाई जाए और उनके रखरखाव के लिए पर्याप्त बजट निर्धारित किया जाए।इसके अतिरिक्त, दिल्ली देहात की साहिबी नदी को अतिक्रमण मुक्त एवं स्वच्छ बनाने, उसके दोनों किनारों पर सड़क एवं हरित पट्टी विकसित करने के लिए अलग से बजट का प्रावधान किया जाए।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली के मालवीय नगर में अपनी दो बेटियों की हत्या करने के आरोप में मां गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित अपने घर में अपनी दो बेटियों की कथित तौर पर हत्या करने के बाद आत्महत्या का प्रयास करने वाली 54 वर्षीय महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि छह मार्च को 34 और 28 वर्ष की दो बहनों के शव मालवीय नगर के एफ-ब्लॉक स्थित उनके भूतल वाले आवास के अलग-अलग कमरों में पाए गए थे, जबकि उनकी मां दूसरे कमरे में बेहोश पाई गई थीं। उन्होंने बताया कि जहरीले पदार्थ का कथित तौर पर सेवन करने वाली आरोपी मां को शुक्रवार को उसकी चिकित्सा जांच के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने शुरू में हत्या-आत्महत्या के प्रयास का संदेह जताया था और हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया, जबकि घटनाक्रम जानने के लिए महिला का बयान दर्ज करने की प्रतीक्षा की जा रही है। पुलिस के अनुसार, जांचकर्ताओं ने कहा कि मानसिक रूप से दिव्यांग बड़ी बेटी के चेहरे पर तकिया रखा हुआ मिला, जबकि कानून की छात्रा छोटी बेटी के गले में फंदा लगा हुआ था। पुलिस ने बताया कि मां ने जहरीले पदार्थ का कथित तौर पर सेवन किया था। पुलिस के अनुसार, महिला अपने पति से तनावपूर्ण संबंधों और दूसरों पर आर्थिक निर्भरता के कारण कथित तौर पर परेशान थी, जो इस अपराध का कारण हो सकता है। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

जनकपुरी में नशे में धुत चालक ने ट्रैफिक कर्मी को मारी टक्कर

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के जनकपुरी इलाके में शनिवार शाम चेकिंग के दौरान एक तेज रफ्तार कार ड्राइवर ने ट्रैफिक पुलिस के जवान को टक्कर मार दी। घटना में कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया, उसकी जान जाते जाते बची। पुलिस ने आरोपित ड्राइवर को मौके पर ही पकड़ लिया और उसकी कार जब्त कर ली है। वहीं घटना का एक वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें कार सवार पुलिसकर्मी को बोनट पर लटकाते हुए काफी दूर ले जाता दिखाई दे रहा है। जानकारी के अनुसार, 21 मार्च की शाम करीब 5:52 बजे भारती कॉलेज, लाल साई मार्ग के पास ट्रैफिक पुलिस की टीम नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान चला रही थी। इस दौरान एसआई गुरदीप सिंह और कांस्टेबल मोहन पाल ने एक संदिग्ध सैंट्रो कार को रुकने का इशारा किया। पर चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय भागने की कोशिश की और सीधे कांस्टेबल मोहन पाल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कांस्टेबल कार के बोनट पर जा गिरा और कुछ दूरी तक घिसटने के बाद सड़क पर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से कार को रोका गया और चालक को पकड़ लिया गया। पुलिस जांच में आरोपित की पहचान निलेश कुमार निवासी द्वारका बागडोला के रूप में हुई है। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है।

उपराज्यपाल संधू और मंत्री सिरसा ने हरमीत सिंह कालका की माता के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका की माता प्रीत मोहिनी कौर के निधन पर शोक व्यक्त किया है। प्रीत मोहिनी कौर का निधन शनिवार को हुआ था। उपराज्यपाल ने रविवार को लोधी रोड श्मशान घाट जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उपराज्यपाल ने इस कठिन समय में कालका और उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं जताई। उनके साथ दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी अंतिम संस्कार में सम्मिलित होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सिरसा ने शोकाकुल परिवार के साथ इस दुःख की घड़ी में अपनी संवेदनाएं साझा कीं।

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने दो नाबालिग लड़कियों को किया बरामद, परिजनों से मिलाया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) ने दो अलग-अलग मामलों में लापता/अपहृत नाबालिग लड़कियों को बरामद कर उन्हें उनके परिजनों से मिला दिया। दोनों मामलों में पुलिस लंबे समय से तलाश कर रही थी। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार के अनुसार, पहला मामला कंझावला थाना क्षेत्र का है, जहां 17 वर्षीय नाबालिग लड़की 26 दिसंबर 2023 से लापता थी। इस संबंध में आईपीसी की धारा 363 के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एएचटीयू की टीम ने जांच शुरू की। इंस्पेक्टर मुकेश कुमार के नेतृत्व में एएसआई अजय कुमार झा और महिला हेड कांस्टेबल मोनिका की टीम ने तकनीकी सर्विलांस और स्थानीय सूचना के आधार पर लड़की को शिव विहार इलाके से बरामद किया। पूछताछ में पता चला कि लड़की अपने दृष्टिहीन माता-पिता से विवाद के बाद घर छोड़कर अलवर (राजस्थान) चली गई थी और हाल ही में दिल्ली लौटी थी। फिलहाल उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए कंझावला थाना पुलिस को सौंप दिया गया है। दूसरा मामला भलस्वा डेयरी थाना क्षेत्र का है, जहां एक अन्य नाबालिग लड़की 28 जनवरी 2024 से लापता थी। इस मामले में भी आईपीसी की धारा 363 के तहत केस दर्ज किया गया था। क्राइम ब्रांच की टीम ने लगातार प्रयास करते हुए तकनीकी और मैनुअल जांच के आधार पर लड़की को संत नगर के मुख्य बाजार से बरामद किया। पुलिस जांच में सामने आया कि लड़की बिना बताए घर से वृंदावन चली गई थी, जहां वह एक आश्रम में रह रही थी। बाद में वह दिल्ली लौटी और बालिग होने के बाद उसने शादी कर ली। पुलिस ने उसे सुरक्षित बरामद कर भलस्वा डेयरी थाना पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस ने बताया कि दोनों मामलों में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

महिपालपुर में एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाज़ारी का भंडाफोड़, 3 आरोपित गिरफ्तार, 74 सिलेंडर बरामद

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड (एएटीएस) टीम ने महिपालपुर इलाके में पिछले तीन वर्षों से चल रहे एलपीजी सिलेंडरों की अवैध जमाखोरी और कालाबाजारी के रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की निशानदेही पर 74 एलपीजी सिलेंडर, गैस ट्रांसफर उपकरण, तौल मशीनें और एक वाहन बरामद किया है।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान कृष्णा (33), दिनेश साहू (46) और मिथिलेश (39) के रूप में हुई है। तीनों आरोपित कई वर्षों से दिल्ली में रह रहे हैं और महिपालपुर इलाके में अवैध रूप से एलपीजी सिलेंडरों की सप्लाई कर कालाबाजारी कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल के अनुसार, एएटीएस टीम को सूचना मिली थी कि महिपालपुर स्थित एक मकान में बड़ी मात्रा में एलपीजी सिलेंडर अवैध रूप से जमा किए गए हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने छापा मारकर तीनों आरोपितों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान 70 घरेलू और 4 कमर्शियल सहित कुल 74 सिलेंडर बरामद किए गए। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपित बिना किसी वैध लाइसेंस के सिलेंडरों की सप्लाई करते थे। अधिक मुनाफा कमाने के लिए वे भरे हुए सिलेंडरों से गैस निकालकर खाली सिलेंडरों में भरते और फिर उन्हें ऊंचे दामों पर बेचते थे। इसके लिए मेटल पाइप और तौल मशीनों का इस्तेमाल किया जाता था।

पुलिस के अनुसार, सिलेंडरों की ढुलाई के लिए आरोपित टाटा ऐस गोल्ड वाहन का इस्तेमाल करते थे और अवैध स्टॉक रखने के लिए किराए पर कमरा लिया हुआ था। इस मामले में वसंत कुंज नॉर्थ थाना में आवश्यक वस्तु अधिनियम और बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है और मामले की जांच जारी है।

प्रॉपर्टी निवेश के नाम पर ठगी करने वाला अपराधी गिरफ्तार लंबे समय से था फरार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने प्रॉपर्टी में निवेश के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान राहुल पासवान के रूप में हुई है, जो लक्ष्मी नगर थाने का घोषित बदमाश था और लंबे समय से फरार चल रहा था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने रविवार को बताया कि राहुल पासवान को 3 फरवरी 2023 को लक्ष्मी नगर थाने में दर्ज एक धोखाधड़ी के मामले में अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया था। उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 34 और 174-ए के तहत मामला दर्ज है। इसके अलावा वह कई अन्य मामलों में भी वांछित था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार, सेंट्रल रेंज की टीम को आरोपित के बारे में गुप्त सूचना मिली थी, जिसे हेड कांस्टेबल जय सिंह और विजय सिंह ने विकसित किया। इसके बाद इंस्पेक्टर सुनील कुमार कलखंडे के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई करते हुए कश्मीरी गेट इलाके की एक पार्किंग से उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के समय वह दिल्ली छोड़ने की फिराक में था। जांच में सामने आया कि आरोपित पिछले एक साल से हरियाणा के फरीदाबाद में रहकर गिरफ्तारी से बचने की कोशिश कर रहा था। पूछताछ में खुलासा हुआ कि राहुल पासवान खुद को प्रॉपर्टी डीलर बताकर लोगों का विश्वास जीतता था। वह लोगों को फ्लैट और प्रॉपर्टी दिखाकर उनसे एडवांस या शुरुआती रकम ले लेता और फिर फरार हो जाता था। इस तरह उसने कई लोगों को ठगी का शिकार बनाया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपित के खिलाफ लक्ष्मी नगर थाने में तीन मामले दर्ज हैं, जबकि गुरुग्राम और फरीदाबाद में भी उसके खिलाफ कई शिकायतें सामने आई हैं। वह ग्रेजुएट है और अंग्रेजी भाषा में दक्ष होने के कारण आसानी से लोगों को अपने झांसे में ले लेता था। फिलहाल पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है और उससे जुड़े अन्य मामलों की जांच जारी है।

शास्त्री नगर मेट्रो स्टेशन के निकट 23 लाख रुपये की लूट, तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के शास्त्री नगर मेट्रो स्टेशन के निकट एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के एक कर्मचारी से 23 लाख रुपये लूटने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, लूट की इस घटना को कंपनी के किसी कर्मचारी की ओर से मुहैया कराई गई सूचना के आधार पर अंजाम दिया गया। पुलिस ने बताया कि 23 फरवरी को कुलदीप शर्मा (28) केशव पुरम से नकदी लेकर किशनगंज स्थित अपने कार्यालय लौट रहे थे, तभी शाम करीब 7:40 बजे शास्त्री नगर मेट्रो स्टेशन के निकट बाइक सवार दो बदमाशों ने उन्हें रोक लिया, उन पर बंदूक तान दी और नकदी से भरा बैग लेकर फरार हो गए। इसने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में सामने आया कि दोनों लुटेरे शुरू से ही शर्मा का पीछा कर रहे थे, जबकि तीसरा साथी बीच रास्ते में अलग हो गया था। उसकी पहचान राजस्थान निवासी कालाराम के रूप में हुई है, जो अभी फरार है। पुलिस ने नौ मार्च को भलस्वा डेरी से 31 वर्षीय मोनू को गिरफ्तार किया, जिसके पास से एक पिस्तौल, एक कारतूस और 3.95 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, "मोनू और फरार आरोपी ने लूट की साजिश रची थी। उसी ने वारदात में इस्तेमाल हथियार और मोटरसाइकिल का इंतजाम भी किया था।" पुलिस ने बताया कि मोनू की निशानदेही पर पुलिस ने 19 मार्च को मंगोलपुरी से 39 वर्षीय संदीप को भी गिरफ्तार किया, जो वारदात के समय बाइक चला रहा था। उसके पास से लूट की रकम में से पांच लाख रुपये बरामद हुए। इसके अलावा, आरोपियों की सूचना पर 30 वर्षीय सागर को भी पकड़ा गया, जिससे सात लाख रुपये और बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, अब तक कुल 15.95 लाख रुपये बरामद किए जा चुके हैं। फरार आरोपी की गिरफ्तारी और शेष रकम की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने शराब तस्करी गिरोह का किया भंडाफोड़

विदेशी शराब की 144 बोतलों के साथ आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की इंटर-स्टेट सेल ने शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद की है। इस मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया है, जिसके कब्जे से 144 बोतल (12 कार्टन) महंगी विदेशी शराब और एक कार जब्त की गई है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने रविवार को बताया कि इस संबंध में 20 मार्च 2026 को क्राइम ब्रांच थाने में दिल्ली आबकारी अधिनियम की धारा 33/58 के तहत मामला दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान वेस्ट पंजाबी बाग निवासी नमन कोहली (35) के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त के अनुसार, क्राइम ब्रांच को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति गुरुग्राम से सस्ती दरों पर विदेशी शराब लाकर दिल्ली में अवैध रूप से सप्लाई कर रहा है। सूचना के आधार पर 19 मार्च को वेस्ट पंजाबी बाग इलाके में रोड नंबर-40 स्थित पार्किंग के पास जाल बिछाया गया। जैसे ही संदिग्ध अपनी कार के पास पहुंचा, पुलिस टीम ने उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपित की कार से 144 बोतल विदेशी शराब बरामद हुई, जिनमें ग्लेनफिडिक सिंगल माल्ट, सिवास रीगल और मंकी शोल्डर जैसे प्रीमियम ब्रांड शामिल हैं। आरोपित के पास शराब के परिवहन और भंडारण से संबंधित कोई वैध लाइसेंस या परमिट नहीं पाया गया। पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि वह गुरुग्राम से कम कीमत पर शराब खरीदकर दिल्ली में ऊंचे दामों पर बेचता था, जिससे उसे भारी मुनाफा होता था। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपित पहले भी आबकारी अधिनियम के एक मामले में गुरुग्राम में शामिल रहा है। पुलिस ने शराब की खेप को जब्त कर लिया है और तस्करी में इस्तेमाल की गई एमजी हेक्टर कार को भी कब्जे में ले लिया है। फिलहाल पुलिस इस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को खंगाल रही है और इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है।

संपादकीय

विश्व में आर्थिक उथल पुथल

भले ही, दुनिया में चौधराहट बनाये रखने और साम्राज्यवादी मंसूबों को पूरा करने के लिए अमेरिका ने इस्त्राइल के साथ मिलकर ईरान पर युद्ध थोपा हो, मगर इस युद्ध के दूरगामी घातक परिणाम पूरी दुनिया को झेलने होंगे। इस संघर्ष ने पूरे पश्चिमी एशिया को गहरे संकट में डाल दिया है। तबाही के कगार पर खड़े ईरान ने जिस तरह अपने पड़ोसी देशों के व्यापारिक व औद्योगिक संस्थानों पर ताबड़-तोड़ हमले किए हैं, उससे मध्यपूर्व में बड़ा आर्थिक संकट पैदा हो गया है। लाखों लोगों के रोजगार पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। खासकर लाखों भारतीय कामगारों के लिये बड़ा संकट पैदा हो गया है। ईरान की जवाबी कार्रवाई से पश्चिमी एशिया में बढ़ते संकट से, इस क्षेत्र में आर्थिक उथल-पुथल मची हुई है। दुनिया के प्रमुख वैश्विक जहाजरानी मार्गों पर मंडरा रहे खतरे के बीच ऊर्जा बाजार की स्थिति पर गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास हुए हमलों के कारण कच्चे तेल और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस यानी एलएनजी की ढुलाई पहले ही बाधित हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति के लगभग पांचवें हिस्से के लिये एक रणनीतिक मार्ग है। लेकिन मौजूदा युद्ध से उपजे हालात में जहाज बीमा कंपनियों ने युद्ध-जोखिम कवरेज वापस ले लिया है। इसके चलते पेट्रोलियम पदार्थों व अन्य उत्पादों की माल ढुलाई लागत बढ़ रही है। युद्ध की विभीषिका के चलते तमाम जहाजों ने अपने मार्ग बदल लिए हैं। कुछ जहाज चलाने वाली कंपनियों ने अपने जहाजों के परिचालन पर रोक लगा दी है। इसका तात्कालिक परिणाम यह है कि कच्चे तेल की कीमतों में काफी उछाल देखा जा रहा है। जिसके चलते ब्रेंट क्रूड की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि देखी जा रही है। इसमें दो राय नहीं कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें आने वाले दिनों में विश्व स्तर पर मुद्रास्फीति के दबाव को बढ़ाएंगी। जाहिरा तौर पर विकासशील व गरीब देशों का आर्थिक संकट और गहरा हो जाएगा। वहीं दूसरी ओर विकासशील देशों की सरकारों के सामने विकास कार्यक्रमों के लिये वित्तीय संसाधन जुटाना अब एक बड़ी चुनौती होगी। वहीं इन देशों में केंद्रीय बैंकों के लिये भी मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन बनाये रखना मुश्किल हो जाएगा। दरअसल, हाल के दिनों में पेट्रोलियम और उसके उत्पादों पर निर्भर परिवहन, रसायन और प्लास्टिक उद्योग तक को बढ़ती लागत का सामना करना पड़ रहा है। जाहिर है इससे इन उद्योगों के लाभ में कमी आ सकती है। साथ ही इन उद्योगों में निवेश धीमा हो सकता है। वहीं दूसरी ओर आपूर्ति में देरी से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की समस्याएं और भी बढ़ सकती हैं। हालांकि भारत पर इसका असर उतना नहीं है।

बदलती पहचान, बदलता समाज

(जेंडर, विज्ञान और मानवता के बीच संतुलन की तलाश)

– डॉ. प्रियंका सौरभ

जेंडर पहचान को समझना इस पूरे विमर्श की पहली शर्त है। यह केवल जन्म के समय निर्धारित जैविक लिंग तक सीमित नहीं होती, बल्कि व्यक्ति की आंतरिक अनुभूति, उसकी मानसिक संरचना और उसकी सामाजिक पहचान से जुड़ी होती है। कई लोगों के लिए उनका मन और शरीर एक-दूसरे से मेल नहीं खाते, जिससे गहरी असहजता और मानसिक तनाव पैदा होता है। ऐसे में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी, हार्मोन थेरेपी और सामाजिक ट्रांजिशन जैसे कदम उनके लिए राहत और संतुलन का माध्यम बनते हैं। यह कोई तात्कालिक निर्णय नहीं होता, बल्कि वर्षों की आत्म-खोज, मनोवैज्ञानिक परामर्श और चिकित्सकीय प्रक्रिया का परिणाम होता है। अनाया बांगर का सफर इसी जटिल प्रक्रिया का उदाहरण है। उन्होंने लंबे समय तक अपने भीतर के द्वंद्व को समझने, स्वीकारने और उसके समाधान की दिशा में कदम बढ़ाने का साहस दिखाया। इस यात्रा में परिवार का सहयोग विशेष रूप से उल्लेखनीय है। भारतीय समाज में जहां अब भी जेंडर और पहचान जैसे विषयों को लेकर झिझक और संकोच बना हुआ है।

भारत में जेंडर पहचान, विज्ञान और समाज के बदलते रिश्तों पर हाल की चर्चाओं ने एक नई बहस को जन्म दिया है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर की संतान अनाया बांगर का जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी के बाद अपना जीवन नए रूप में शुरू करना केवल एक व्यक्तिगत घटना नहीं, बल्कि सामाजिक, वैज्ञानिक और नैतिक विमर्श का विषय बन चुका है। यह कहानी सिर्फ एक व्यक्ति के साहस और आत्म-स्वीकृति की नहीं, बल्कि उस समाज के सामने खड़े सवालों की भी है, जो तेजी से बदलती दुनिया में अपनी पारंपरिक मान्यताओं और आधुनिक विज्ञान के बीच संतुलन खोजने की कोशिश कर रहा है।

जेंडर पहचान को समझना इस पूरे विमर्श की पहली शर्त है। यह केवल जन्म के समय निर्धारित जैविक लिंग तक सीमित नहीं होती, बल्कि व्यक्ति की आंतरिक अनुभूति, उसकी मानसिक संरचना और उसकी सामाजिक पहचान से जुड़ी होती है। कई लोगों के लिए उनका मन और शरीर एक-दूसरे से मेल नहीं खाते, जिससे गहरी असहजता और मानसिक तनाव पैदा होता है। ऐसे में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी, हार्मोन थेरेपी और सामाजिक ट्रांजिशन जैसे कदम उनके लिए राहत और संतुलन का माध्यम बनते हैं। यह कोई तात्कालिक निर्णय नहीं होता, बल्कि वर्षों की आत्म-खोज, मनोवैज्ञानिक परामर्श और चिकित्सकीय प्रक्रिया का परिणाम होता है। अनाया बांगर का सफर इसी जटिल प्रक्रिया का उदाहरण है। उन्होंने लंबे समय तक अपने भीतर के द्वंद्व को समझने, स्वीकारने और उसके समाधान की दिशा में कदम बढ़ाने का साहस दिखाया। इस यात्रा में परिवार का सहयोग विशेष रूप से उल्लेखनीय है। भारतीय समाज में जहां अब भी जेंडर और पहचान जैसे विषयों को लेकर झिझक और संकोच बना हुआ है, वहां एक पिता का अपनी संतान के साथ इस तरह खड़ा होना एक सकारात्मक बदलाव का संकेत देता है। संजय बांगर का यह समर्थन न केवल व्यक्तिगत स्तर पर महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी एक संदेश देता है कि स्वीकृति और समझ ही किसी भी परिवर्तन को सहज बना सकती है।

इस पूरे प्रसंग का एक महत्वपूर्ण पक्ष आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की भूमिका है। सर्जरी से पहले स्पर्म फ्रीज करवाना और भविष्य में आईवीएफ तथा सरोगेसी के माध्यम से संतान प्राप्त करने की संभावना ने इस विषय को और अधिक जटिल बना दिया है। एक ट्रांस महिला का अपने ही जैविक संसाधनों से मातृत्व प्राप्त करना पारंपरिक जैविक और सामाजिक परिभाषाओं को चुनौती देता हुआ प्रतीत होता है। कुछ लोग इसे विज्ञान की उपलब्धि के रूप में देखते हैं, तो कुछ इसे प्रकृति के नियमों में हस्तक्षेप मानते हैं।

दरअसल, "प्रकृति" और "अप्राकृतिक" की अवधारणाएं स्वयं समय के साथ बदलती रही हैं। इतिहास में जब-जब कोई नई तकनीक या सामाजिक बदलाव सामने आया, उसे पहले अस्वीकार किया गया, फिर धीरे-धीरे स्वीकार किया गया। आईवीएफ, सरोगेसी, अंग प्रत्यारोपण जैसी तकनीकों को भी एक समय संदेह की दृष्टि से देखा गया था, लेकिन आज वे लाखों लोगों के जीवन में आशा और समाधान का माध्यम बन चुकी हैं। इसी तरह जेंडर-अफर्मिंग चिकित्सा भी उन लोगों के लिए जीवन की गुणवत्ता सुधारने का एक साधन है, जो अपने अस्तित्व के साथ संघर्ष कर रहे हैं। यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि क्या ऐसे बदलावों के बाद लोग वास्तव में खुश रह पाते हैं। विभिन्न शोध और अनुभव बताते हैं कि जेंडर ट्रांजिशन के बाद अधिकांश लोगों में मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। आत्म-संतोष बढ़ता है, अवसाद और चिंता के स्तर घटते हैं और व्यक्ति अपने जीवन के प्रति अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करता है। हालांकि यह भी सच है कि हर व्यक्ति का अनुभव समान नहीं होता। सामाजिक स्वीकृति की कमी, भेदभाव और पूर्वाग्रह कई बार इस यात्रा को कठिन बना देते हैं। ऐसे में समस्या केवल व्यक्ति के निर्णय में नहीं, बल्कि समाज की सोच में भी निहित होती है।

भारतीय समाज में ट्रांसजेंडर समुदाय को अब भी कई स्तरों पर संघर्ष करना पड़ता है। शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के अवसर सीमित होते हैं, और उन्हें अक्सर पूर्वाग्रहों का सामना करना पड़ता है। इस संदर्भ में अनाया बांगर की कहानी केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि एक सामाजिक संकेत भी है कि बदलाव संभव है, बशर्ते समाज अपने दृष्टिकोण को व्यापक बनाए।

यह बहस केवल विज्ञान बनाम प्रकृति की नहीं है, बल्कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन की भी है। हर व्यक्ति को अपने जीवन के बारे में निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए, लेकिन साथ ही समाज को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि ऐसे निर्णय समझदारी, चिकित्सा परामर्श और नैतिक जिम्मेदारी के साथ लिए जाएं। जेंडर-अफर्मिंग प्रक्रियाएं किसी पर थोपी नहीं जातीं, बल्कि वे उन लोगों के लिए विकल्प हैं जो अपने जीवन को बेहतर बनाना चाहते हैं। अंततः यह समझना जरूरी है कि "खुशी" का कोई एक निश्चित मानक नहीं होता। हर व्यक्ति अपनी परिस्थितियों, अनुभवों और इच्छाओं के आधार पर अपने जीवन की दिशा तय करता है। कुछ लोग पारंपरिक जीवन में संतुष्टि पाते हैं, तो कुछ अपनी पहचान को नए रूप में स्वीकार कर जीवन को पुनः परिभाषित करते हैं। महत्वपूर्ण यह है कि समाज उन्हें यह अवसर दे कि वे अपनी पहचान के साथ सम्मानपूर्वक जी सकें।

अनाया बांगर की यह यात्रा केवल व्यक्तिगत परिवर्तन की कहानी नहीं, बल्कि समाज के लिए एक आईना है। यह हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम बदलती दुनिया के साथ खुद को बदलने के लिए तैयार हैं, या हम अपनी पुरानी धारणाओं में ही बंधे रहेंगे। यह समय है समझ, सहानुभूति और संवाद का, क्योंकि किसी भी समाज की प्रगति उसकी विविधता को स्वीकार करने की क्षमता पर निर्भर करती है।

हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य पर नियंत्रण की जंग

डॉ. सत्यवान सौरभ

दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक व्यापार की एक महत्वपूर्ण धुरी हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य है। यह एक अत्यंत संकीर्ण जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को खुले समुद्र से जोड़ता है। इसी मार्ग से दुनिया के लगभग एक-चौथाई तेल और गैस का परिवहन होता है। ऐसे में ईरान द्वारा इस जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने का प्रस्ताव केवल एक आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति, अंतरराष्ट्रीय कानून और ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

यह कदम ऐसे समय में सामने आया है जब पूरी दुनिया पहले से ही ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा और भू-राजनीतिक तनावों से जूझ रही है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे देश इस मार्ग पर अत्यधिक निर्भर हैं। इन देशों से निकलने वाला तेल और गैस इसी संकरे रास्ते से होकर वैश्विक बाजारों तक पहुँचता है। यदि इस मार्ग में किसी प्रकार का अवरोध या अतिरिक्त लागत जुड़ती है, तो इसका सीधा असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ईरान का तर्क है कि वह इस क्षेत्र में सुरक्षा बनाए रखता है और जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उसे शुल्क लेने का अधिकार होना चाहिए। लेकिन यह तर्क अंतरराष्ट्रीय कानून की मूल भावना के विपरीत है। संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय जलडमरूमध्यों में सभी देशों के जहाजों को निर्बाध रूप से गुजरने का अधिकार है। कोई भी देश इस अधिकार को रोक नहीं सकता और न ही इसके बदले शुल्क वसूल सकता है। यदि कोई देश ऐसा करता है, तो यह सीधे-सीधे अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन माना जाएगा। ईरान और इस क्षेत्र का इतिहास इस बात का गवाह है कि हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य हमेशा से तनाव और रणनीतिक दबाव का केंद्र रहा है। पिछले कई दशकों में ईरान ने कई बार इस जलमार्ग को बंद करने की धमकी दी है, विशेषकर जब उसके और पश्चिमी देशों के बीच तनाव बढ़ा है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (ईरान की इस्लामी क्रांतिकारी रक्षक सेना) द्वारा इस क्षेत्र में जहाजों की निगरानी, जांच और कभी-कभी उन्हें रोकने की घटनाएँ भी सामने आती रही हैं।

लेकिन मौजूदा स्थिति पहले से अलग है। अब यह केवल सैन्य दबाव का मामला नहीं है, बल्कि एक व्यवस्थित आर्थिक ढांचे के रूप में नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास प्रतीत होता है। यदि यह योजना सफल होती है, तो यह ईरान को इस जलमार्ग पर एक प्रकार की "आर्थिक सत्ता" प्रदान कर सकती है, जिससे वह अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव डाल सकेगा। इस संभावित व्यवस्था के वैश्विक परिणाम बेहद गंभीर हो सकते हैं। सबसे पहले, ऊर्जा की कीमतों में तेज वृद्धि देखने को मिलेगी। तेल और गैस की कीमतें सीधे इस मार्ग की स्थिरता से जुड़ी होती हैं। यदि जहाजों को शुल्क देना पड़े या उन्हें मार्ग में बाधाओं का सामना करना पड़े, तो परिवहन लागत बढ़ जाएगी। इसका असर केवल ऊर्जा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका प्रभाव हर उस वस्तु पर पड़ेगा जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा है। खाद्य पदार्थ, उर्वरक, औद्योगिक कच्चा माल और अन्य आवश्यक वस्तुएँ भी महंगी हो सकती हैं। इससे महंगाई बढ़ेगी और विकासशील देशों पर इसका अधिक प्रभाव पड़ेगा। विशेष रूप से उन देशों के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण होगी, जो पहले से ही आर्थिक दबाव और आयात पर निर्भरता का सामना कर रहे हैं।

दूसरी ओर, यह कदम क्षेत्रीय तनाव को भी बढ़ा सकता है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने इस प्रस्ताव पर अपनी चिंता व्यक्त की है। उनके लिए यह केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि संप्रभुता और सुरक्षा का प्रश्न भी है। यदि ईरान इस जलमार्ग पर एकतरफा नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश करता है, तो यह क्षेत्रीय संघर्ष को जन्म दे सकता है। इस संदर्भ में वैश्विक शक्तियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। संयुक्त राज्य अमेरिका लंबे समय से इस क्षेत्र में अपनी नौसैनिक उपस्थिति बनाए हुए है ताकि समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जा सके। यदि ईरान अपने प्रस्ताव को लागू करता है, तो अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया तेज और निर्णायक हो सकती है। यह स्थिति कूटनीति से लेकर सैन्य रणनीति तक कई स्तरों पर प्रभाव डाल सकती है। यह पूरी घटना एक बड़े सवाल को जन्म देती है—क्या अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था अब भी नियमों और सहयोग पर आधारित रहेगी, या फिर शक्तिशाली देश अपने सामरिक स्थान और ताकत का उपयोग करके नियमों को अपने अनुसार बदलने लगेंगे?

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद स्थापित वैश्विक व्यवस्था का एक प्रमुख आधार यह रहा है कि समुद्र और अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग सभी देशों के लिए खुले रहेंगे। इसी सिद्धांत ने वैश्विक व्यापार और शांति को बढ़ावा दिया है। लेकिन यदि कोई देश इस सिद्धांत को चुनौती देता है और उसे रोका नहीं जाता, तो यह पूरी व्यवस्था कमजोर पड़ सकती है। इसके अलावा, यह घटना इस तथ्य को भी उजागर करती है कि आज के समय में भौगोलिक स्थान (ज्योग्राफिकल पोजिशन) भी शक्ति का एक बड़ा स्रोत बन गया है। हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य जैसे स्थान केवल नक्शे पर एक बिंदु नहीं हैं, बल्कि वे वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के निर्णायक केंद्र बन चुके हैं। जो देश ऐसे स्थानों को नियंत्रित करता है, वह वैश्विक व्यापार और ऊर्जा प्रवाह को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, ईरान के लिए यह रणनीति जोखिम से भरी हुई है। यदि वह अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करता है, तो उसे गंभीर आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। पहले से ही प्रतिबंधों और आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहा ईरान इस कदम से और अधिक अलग-थलग पड़ सकता है। इससे उसकी अर्थव्यवस्था और कमजोर हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह समय एकजुट होकर इस चुनौती का समाधान खोजने का है। केवल बयानबाजी या निंदा से काम नहीं चलेगा। सभी देशों को मिलकर कूटनीतिक प्रयास करने होंगे ताकि इस जलमार्ग की स्वतंत्रता बनी रहे। अंतरराष्ट्रीय संगठनों को भी इस मुद्दे पर सक्रिय भूमिका निभानी होगी ताकि नियम-आधारित व्यवस्था को बचाया जा सके साथ ही, यह भी आवश्यक है कि तनाव को कम करने के लिए संवाद और बातचीत के रास्ते खुले रखें जाएँ। किसी भी प्रकार का सैन्य संघर्ष केवल स्थिति को और अधिक जटिल बना देगा और इसके परिणाम पूरी दुनिया को भुगतने होंगे। अंततः, हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य पर शुल्क लगाने का यह प्रस्ताव केवल एक क्षेत्रीय नीति नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था की परीक्षा है। यह तय करेगा कि क्या दुनिया सहयोग और नियमों के आधार पर आगे बढ़ेगी या फिर शक्ति और नियंत्रण का युग लौटेगा। यदि इस चुनौती को समय रहते गंभीरता से नहीं लिया गया, तो हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य केवल एक व्यापारिक मार्ग नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक अस्थिरता और संघर्ष का प्रतीक बन जाएगा।

सत्य में सदैव होती है एकरूपता

सत्य सदैव एक रूप में स्थित रहता है। वह किसी भी काल, किसी भी युग किसी भी परिस्थिति में परिवर्तित नहीं होता। वह प्रकाशमान तत्व सदैव एक समान बना रहता है। यानी जो अपरिवर्तनशील है, वही सत्य है और वह अपरिवर्तनशील तत्व नित्य, शुद्ध परमात्मा है जो समस्त देहधारियों में आत्मा के रूप में विद्यमान रहता है। उसी परमात्मा ने सारे जगत को धारण कर रखा है और सारा जगत उसी के भीतर व्याप्त है। सभी मानव शरीरों के अंदर रहते हुए भी कोई परमात्मा को जान नहीं पाता। वह इसलिए कि उसी की सत्ता से सारे शरीर प्रकाशमान होते हैं। उसी चेतन सत्ता के कारण मन-बुद्धि, इंद्रियां क्रियाशील होती हैं। सभी शरीरधारियों में मानव देह ही मात्र साधन धाम कहलाता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि समस्त शरीरों में चाहे वह मनुष्य का हो या फिर किसी अन्य का, सभी में आहार, निद्रा, भय और मैथुन आदि क्रियाएं एक समान रूप से होती हैं, लेकिन मनुष्य को ईश्वर ने अतिरिक्त एक अन्य गुण भी प्रदान किया है, वह है विवेक। परमात्मा ने मनुष्य को विवेकशील प्राणी बनाया है। जो व्यक्ति अपने उसी विवेक का प्रयोग कर सार-असार का विभेदन करता हुआ विश्व रूप परमात्मा की शरण में जाता है, तो ईश्वर की कृपा रूपी प्रसाद को प्राप्त कर उस परम सत्य का साक्षात्कार कर लेता है। दूसरी ओर ईश्वर रचित माया (प्रकृति) चंचल, अनित्य व परिवर्तनशील है। इसमें नित्य एकरूपता नहीं रहती। पंच महाभूतों-आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी तत्वों से निर्मित मनुष्य के शरीरों का संश्लेषण मां के गर्भ में होता है। इन्हीं पांचों तत्वों से निर्मित मनुष्य के शरीरों में सतत परिवर्तन होता रहता है। वह बालक से किशोर, जवान, फिर अधेड़ होते हुए वृद्ध हो जाता है। अंत में उसी शरीर का विलय पंच महाभूतों में हो जाता है। इसी प्रकार ऋतुओं में भी समयानुसार परिवर्तन होता रहता है। गर्मी बरसात में, बरसात जाड़े में और जाड़ा पुनः गर्मी में परिवर्तित हो जाता है। बीज वृक्ष बनता है। वृक्ष में अनेक शाखाएं फूट जाती हैं। इसमें फूल आता है। फूल से फल निकलते हैं। अंत में उसी वृक्ष से फिर बीज बनता है। यही प्रकृति की निश्चित नियति है। जो वस्तु पहले नहीं थी, बीच में दृष्टिगोचर प्रतीत होती है और अंत में फिर नहीं रहती, वही असत्य है और जो पहले भी थी अभी भी है और अंत में भी रहेगी, वही सत्य है।

धर्म कर्म

आज का इतिहास

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1880 - भारतीय स्वतंत्रता कार्यकर्ता बसंती देवी का जन्म हुआ।
1940 - मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान प्रस्ताव को मंजूरी दी।
1956 - आज के दिन पाकिस्तान पहला इस्लामिक गणतंत्र देश बना।
1965 - नासा ने पहली बार अंतरिक्ष यान 'जेमिनी 3' से दो व्यक्तियों को अंतरिक्ष में भेजा।
1986 - केन्द्रीय आरक्षी पुलिस बल की पहली महिला कंपनी दुर्गापुर शिविर में गठित की गई।
1996 - ताइवान में पहली बार प्रत्यक्ष राष्ट्रपति चुनाव हुआ जिसमें ली तेंग हुई राष्ट्रपति बने।
1999 - पराग्वे के उपराष्ट्रपति पुई मारिया अरगाना की हत्या।
2001 - रूसी अंतरिक्ष स्टेशन 'मीर' की जल समाधि।
2006 - आस्ट्रेलिया ने तस्करी के आरोप में उत्तरी कोरिया के जहाज पोंस गू को डुबोया।
2007 - भारत विश्वकप क्रिकेट में श्रीलंका से हारा।
2008 - भारत ने जमीन से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल 'अग्नि-1' का सफल परीक्षण किया।
2008 - नासा ने पृथ्वी से 7.5 अरब प्रकाश वर्ष की दूरी पर हुए एक अंतरिक्ष विस्फोट को देखा।
2020 - भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों की संख्या 433 हुई और देश के अधिकतर हिस्सों में लॉकडाउन लगाया गया।

जन्म

1880 - बसंती देवी – भारत की स्वतंत्रता सेनानी।
1910 - राममनोहर लोहिया – भारतीय स्वतंत्रता सेनानी।
1951 - आदित्य प्रसाद दास – भारत के प्रतिष्ठित जीव विज्ञानी हैं।
1958 - विनय कुमार सक्सैना – दिल्ली के उपराज्यपाल हैं।
1987 - कंगना रानौत – भारतीय फिल्म अभिनेत्री हैं।

निधन

1927 - लाला राम – भारतीय थल सेना के 41वें डोगरा में लांस नाईक थे।
1931 - भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु – प्रसिद्ध देशभक्त और शहीद होने वाले क्रांतिकारी।
1965 - सुहासिनी गांगुली – भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थीं।

शहीद दिवस पर विशेष

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु : शहादत जो आज भी जिंदा है

योगेश कुमार गोयल

भारत के महान वीर सपूतों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रतिवर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है, जो प्रत्येक भारतवासी को गौरव का अनुभव कराता है। यह वही दिन है, जब अंग्रेजों से भारत की आजादी के लिए लड़े भारत मां के वीर सपूतों भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को अंग्रेजों ने ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या के आरोप में फांसी पर लटका दिया था। हालांकि पहले इन वीर सूपतों को 24 मार्च 1931 को फांसी दी जानी थी लेकिन इनके बुलंद हौंसलों से भयभीत ब्रिटिश सरकार ने जन आन्दोलन को कुचलने के लिए उन्हें एक दिन पहले 23 मार्च 1931 को ही फांसी दे दी थी। क्रांतिकारियों राजगुरू और सुखदेव का नाम हालांकि सदैव शहीदे आजम भगत सिंह के बाद ही आता है लेकिन भगत सिंह का नाम आजादी के इन दोनों महान क्रांतिकारियों के बगैर अधूरा है क्योंकि इनका योगदान भी भगत सिंह से किसी भी मायने में कमतर नहीं था। तीनों की विचारधारा एक ही थी, इसीलिए तीनों की मित्रता बेहद सुदृढ़ और मजबूत थी। भगतसिंह और सुखदेव के परिवार लायलपुर में आसपास ही रहते थे और दोनों परिवारों में गहरी दोस्ती थी। 15 मई 1907 को पंजाब के लायलपुर में जन्मे सुखदेव भगतसिंह की ही तरह बचपन से आजादी का सपना पाले हुए थे। भगत सिंह, कामरेड रामचन्द्र और भगवती चरण बोहरा के साथ मिलकर उन्होंने लाहौर

में नौजवान भारत सभा का गठन कर सॉन्डर्स हत्याकांड में भगतसिंह तथा राजगुरू का साथ दिया था। 24 अगस्त 1908 को पुणे के खेड़ा में जन्मे राजगुरू छत्रपति शिवाजी की छापामार शैली के प्रशंसक थे और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचारों से काफी प्रभावित थे। अच्छे निशानेबाज रहे राजगुरू का रूझान जीवन के शुरूआती दिनों से ही क्रांतिकारी गतिविधियों की तरफ होने लगा था। वाराणसी में उनका सम्पर्क क्रांतिकारियों से हुआ और वे हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी से जुड़ गए। चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह और जतिन दास राजगुरू के अभिन्न मित्र थे। पुलिस के बर्बर लाठीचार्ज के कारण स्वतंत्रता संग्राम के दिग्गज नेता लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए राजगुरू ने 19 दिसम्बर 1928 को भगत सिंह के साथ मिलकर लाहौर में जॉन सॉन्डर्स को गोली मारकर स्वयं को गिरफ्तार करा दिया था और भगत सिंह वेश बदलकर कलकत्ता निकल गए थे, जहां उन्होंने बम बनाने की विधि सीखी। भगत सिंह बिना कोई खून-खराबा किए ब्रिटिश शासन तक अपनी आवाज पहुंचाना चाहते थे लेकिन तीनों क्रांतिकारियों को अब यकीन हो गया था कि पराधीन भारत की बेड़ियां केवल अहिंसा की नीतियों से नहीं काटी जा सकती, इसीलिए उन्होंने अंग्रेजों की मजदूरों के प्रति शोषण की नीतियों के पारित होने के खिलाफ विरोध प्रकट करने के लिए लाहौर की केन्द्रीय असेम्बली में बम फैंकने की योजना बनाई।

1929 में चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में 'पब्लिक सेफ्टी' और 'ट्रेड डिस्प्यूट बिल' के विरोध में सेंट्रल असेंबली में बम फैंकने के लिए 'हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी' की पहली बैठक हुई। योजनाबद्ध तरीके से भगत सिंह ने 8 अप्रैल 1929 को बटुकेश्वर दत्त के साथ केन्द्रीय असेंबली में एक खाली स्थान पर बम फैंका, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि वे चाहते तो भाग सकते थे लेकिन भगत सिंह का मानना था कि गिरफ्तार होकर वे बेहतर ढ़ंग से अपना संदेश दुनिया के सामने रख पाएंगे। असेंबली में फैंके गए बम के साथ कुछ पर्चे भी फैंके गए थे, जिनमें भगत सिंह ने लिखा था, 'आदमी को मारा जा सकता है, उसके विचारों को नहीं। बड़े साम्राज्यों का पतन हो जाता है लेकिन विचार हमेशा जीवित रहते हैं और बहरे हो चुके लोगों को सुनाने के लिए ऊंची आवाज जरूरी है।'

हालांकि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया था लेकिन पुलिस ने तीनों को जॉन सॉन्डर्स की हत्या के लिए आरोपित किया। गिरफ्तारी के बाद सॉन्डर्स की हत्या में शामिल होने के आरोप में भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव पर देशद्रोह तथा हत्या का मुकद्दमा चलाया गया और उन्हें मौत की सजा सुनाई। इसी मामले को बाद में 'लाहौर षड्यंत्र केस' के नाम से जाना गया। भगत सिंह और उनके साथियों ने 64 दिनों तक भूख हडताल की। 23 मार्च 1931 की शाम भारत मां के इन तीनों महान वीर सपूतों को फांसी दे दी गई। फांसी पर जाते समय तीनों एक स्वर में गा रहे थे:- दिल से निकलेगी न मरकर भी वतन की उल्फत, मेरी मिट्टी से भी खुशबू ए वतन आएगी। ब्रिटिश हुकूमत को उखाड़ फैंकने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले इन तीनों महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को देश सदैव याद रखेगा। वतन के लिए त्याग और बलिदान इनके लिए सर्वोपरि रहा। इनके विचार आज भी देश के करोड़ों युवाओं का मार्गदर्शन करते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

असम पुलिस के शिविर पर उग्रवादियों ने किया हमला, चार पुलिसकर्मी घायल

तिनसुकिया (असम)। तिनसुकिया जिले में शनिवार देर रात असम पुलिस कमांडो शिविर पर उग्रवादी हमले में कम से कम चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। यूनाईटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) (उल्फा आई) ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा है कि उसके खिलाफ असम पुलिस की ओर से बार-बार की गई कार्रवाई और पिछले साल सेना द्वारा उसके शिविरों पर कथित रूप से किये गये ड्रोन हमले के बदले में जागुन क्षेत्र में उसने 'ऑपरेशन बुजोनी' चलाया। यह हमला नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले हुआ है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह हमला रात में करीब ढाई बजे हुआ। उन्होंने बताया कि उग्रवादियों ने शिविर पर कई रॉकेट-चालित ग्रेनेड (आरपीजी) दागे, जिनमें से पांच फटे। उन्होंने बताया कि शिविर में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप कुछ देर तक मुठभेड़ चली। पुलिस अधिकारी ने बताया कि संदेह है कि यह हमला सात सदस्यीय एक गिरोह ने किया, जो अंधेरे का फायदा उठाकर अरुणाचल प्रदेश से लगती अंतरराज्यीय सीमा पार कर भाग गया। उन्होंने बताया कि इस हमले में घायल हुए चार सुरक्षाकर्मियों को डिब्रूगढ़ के असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एएमसीएच) ले जाया गया। एएमसीएच के अधीक्षक ध्रुवज्योति भूइंया ने कहा कि सभी घायल खतरे से बाहर हैं। उल्फा (आई) ने एक बयान में इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि उसने 'ऑपरेशन बुजोनी' चलाया। उग्रवादी समूह ने दावा किया कि 2021 में हिमंत विश्व शर्मा सरकार के सत्ता में आने के बाद उसके शांति प्रयासों के प्रति सद्भावना के तौर पर उसने असम पुलिस के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी। उल्फा (आई) ने कहा कि लेकिन सुरक्षा एजेंसियों ने उसके नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को निशाना बनाया और उनमें से कई मारे गए। उसने भारतीय सशस्त्र बलों को पिछले साल जुलाई में भारत-म्यांमा सीमा पर स्थित उसके 'मोबाइल' शिविरों पर ड्रोन और मिसाइल हमले करने का जिम्मेदार ठहराया।

सिविल अस्पताल में बच्चों के लिए निशुल्क नेत्र चिकित्सालय

मुंबई। बच्चों की आँखों की शिकायतों को नज़रअंदाज़ करना उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। अगर कम उम्र में आँखों की बीमारियों का पता नहीं लगाया गया, तो उनके नतीजे हमेशा के लिए हो सकते हैं। इसलिए, माता-पिता को जागरूक होना और समय पर जाँच करवाना ज़रूरी है, हेल्थ डायरेक्टर नितिन अंबाडेकर ने कहा। वह ठाणे सिविल हॉस्पिटल में शुरू हुए 'चिल्ड्रन आई क्लिनिक' के शुभारंभ के मौके पर बोल रहे थे।

यह नेत्र चिकित्सालय अब हर मंगलवार को नियमित चलेगा, और शिशुओं की आँखों की सभी तरह की समस्याओं का इलाज एक ही जगह पर किया जाएगा। इसमें मायोपिया (नजदीकी नजर), एम्ब्लियोपिया,(मंद दृष्टि) और स्ट्रैबिस्मस (भेंगापन) सर्जरी जैसी जरूरी सर्विस के साथ-साथ बच्चों में मोतियाबिंद का इलाज भी शामिल है। डॉ. नितिन अंबाडेकर ने कहा कि मोबाइल, टीवी और डिजिटल डिवाइस का ज्यादा इस्तेमाल बच्चों की आँखों के लिए खतरा बन रहा है। फिर भी, कई माता-पिता शुरुआती लक्षणों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। अगर आंखों को मसलना , रगड़ना, बार-बार पानी आना, पढ़ाई में ध्यान न लगना, पास की चीज़ों को देखना या सिरदर्द जैसे लक्षण दिखें और इलाज न किया जाए, तो आगे का इलाज मुश्किल हो सकता है।

इस शुभारंभ के मौके पर जिला सर्जन डॉ. कैलास पवार, अतिरिक्त जिला सर्जन डॉ. धीरज महानगड़े, नेत्र चिकित्सक डॉ. शुभांगी अंबाडेकर, डॉ. अर्चना पवार और दूसरे अधिकारी मौजूद थे। ऐसे में, सरकारी लेवल पर उपलब्ध कराई गई यह सर्विस बहुत ज़रूरी साबित हो रही है और आर्थिक रूप से कमज़ोर तबके के लिए बहुत बड़ा सहारा बनेगी। ज़िला सर्जन डॉ. कैलास पवार ने कहा कि हर माता-पिता तक यह मैसेज पहुंचाना ज़रूरी है, "देर न करें, चेकअप ज़रूरी है।" बच्चों की आंखों को सुरक्षित रखना सिर्फ़ एक मेडिकल ज़रूरत नहीं बल्कि एक सामाजिक ज़िम्मेदारी है। इसलिए, ऑप्थल्मोलॉजिस्ट(नेत्र चिकित्सक)डॉ. शुभांगी अंबाडेकर ने माता-पिता से अपील की है कि वे हर मंगलवार सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक उपलब्ध इस सर्विस का फ़ायदा उठाएं और अपने बच्चों की आंखों की सेहत बनाए रखें।

तीन दोस्तों पर लापता युवक के अपहरण का आरोप, एफआईआर

शिमला। शिमला जिले के सुन्नी थाना क्षेत्र में कुछ दिन पहले चार युवकों के एक साथ लापता होने के मामले में अब बड़ा खुलासा हुआ है। शुरुआत में इसे सामान्य गुमशुदगी का मामला माना जा रहा था, लेकिन जांच के दौरान सामने आया कि तीन दोस्तों पर ही चौथे युवक के अपहरण और हत्या की नीयत का आरोप लगा है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार यह मामला मूल रूप से बिहार के रहने वाले एक युवक की गुमशुदगी से जुड़ा है। शिकायतकर्ता चतुरी राम पुत्र स्वर्गीय सरजू राम, निवासी वीपीओ सिंगारफुलगा, तहसील व जिला मुजफ्फरपुर (बिहार) ने 15 मार्च को लिखित शिकायत दी थी कि उनका बेटा राम प्रवेश राम अपने तीन अन्य साथियों अरुण, विकेश कुमार और महेश कुमार के साथ लापता हो गया है। इस शिकायत के आधार पर पुलिस थाना सुन्नी में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर यह संदेह गहराया कि राम प्रवेश राम के साथ लापता हुए उसके तीनों साथी अरुण पुत्र विश्वनाथ निवासी गांव देवी छपरा, डाकघर रामकरण पकरी, जिला मोतिहारी (बिहार), विकेश कुमार पुत्र रघुनी राम निवासी गांव देवी छपरा, डाकघर रामकरण पकरी, जिला मोतिहारी (बिहार) और महेश कुमार निवासी बिहार ने मिलकर ही राम प्रवेश राम का अपहरण किया है और उसकी हत्या करने की नीयत से यह वारदात की गई। पुलिस जांच में सामने आए तथ्यों को गंभीर मानते हुए सुन्नी थाना पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(1), 3(5) के तहत आपराधिक मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि अब इस मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

सिलीगुड़ी में भाजपा-तृणमूल आमने सामने, प्रचार के दौरान तीखी बहस

सिलीगुड़ी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे है, उत्तर बंगाल में राजनीतिक तापमान तेजी से बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में सिलीगुड़ी नगर निगम के वार्ड नंबर 44 के दशरथपल्ली इलाके में चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा उम्मीदवार शिखा चटर्जी और तृणमूल कांग्रेस की पार्षद व बोरो चेयरमैन प्रीतिकणा विश्वास के बीच तीखी बहस हो गई। शुरुआत भले ही सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई, लेकिन बातचीत जल्द ही देशभक्ति, सीमा सुरक्षा और हिंदुत्व जैसे मुद्दों पर गरमा गई। प्रचार के दौरान शिखा चटर्जी ने कहा कि देश सबसे पहले है।

बांग्लादेश सीमा से खतरा बना हुआ है। वहां कुछ जगहों पर जमात की जीत हुई है, जिससे देश में घुसपैठ और अत्याचार की आशंका है। इस पर पलटवार करते हुए प्रीतिकणा विश्वास ने कहा कि सीमा की सुरक्षा केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। यह काम आपका है, लेकिन आप राज्य सरकार और ममता बनर्जी पर आरोप लगा रही है। कांटेदार तार (फेंसिंग) को लेकर भी विवाद बढ़ गया। भाजपा समर्थकों का आरोप था कि केंद्र सरकार फंड दे रही है, लेकिन राज्य सरकार जमीन उपलब्ध नहीं करा रही, जिससे काम अटका हुआ है।

वहीं तृणमूल का कहना था कि सीमा सुरक्षा पूरी तरह केंद्र का विषय है। बहस के दौरान हिंदुत्व और रोहिंग्या मुद्दा भी सामने आया। शिखा ने "देश बचाने की लड़ाई" की बात कही, तो प्रीतिकणा ने जवाब देते हुए कहा कि "हिंदुत्व के नाम पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है।" स्थानीय लोगों ने इस पूरे घटनाक्रम को "दो नेताओं के बीच जोरदार टक्कर" के रूप में देखा। तृणमूल की ओर से दावा किया गया कि ममता बनर्जी, गौतम देव और रंजन शीलशर्मा भारी मतों से जीत दर्ज करेंगे। वहीं भाजपा उम्मीदवार शिखा चटर्जी ने इसे "देश को बचाने की लड़ाई" बताया।

लोक आस्था का महापर्व चैती छठ नहाय-खाय के साथ शुरू, 25 मार्च को उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ होगा समापन

रांची। लोक आस्था और सूर्य उपासना का महान पर्व चैती छठ रविवार को नहाय-खाय के साथ श्रद्धा और भक्ति के माहौल में शुरू हो गया। चार दिनों तक चलने वाला यह कठिन व्रत प्रकृति, शुद्धता और अनुशासन का प्रतीक माना जाता है, जिसमें व्रती कठोर नियमों का पालन करते हुए भगवान भास्कर की आराधना करते हैं। यह महापर्व 25 मार्च को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न होगा। परंपरा के अनुसार पहले दिन नहाय-खाय, दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को संध्या अर्घ्य और अंतिम दिन उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाता है। पुरोहित मनोज पांडेय के अनुसार, इस वर्ष छठ पर्व पर विशेष शुभ योग का संयोग बन रहा है। नहाय-खाय के दिन मां कूष्मांडा की पूजा की जाती है, जबकि खरना के दिन देवी स्कंद माता की आराधना होती है। संध्या अर्घ्य के दिन माता कात्यायनी और प्रातः अर्घ्य के समय माता कालरात्रि की पूजा का विशेष महत्व है। चैत्र नवरात्र के साथ पड़ने के कारण व्रत करने वाले श्रद्धालुओं को छठी मैया के साथ इन देवियों का भी विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है। 23 मार्चः खरना (रात 8:42 बजे तक)24 मार्चः संध्या अर्घ्य (सूर्यास्त लगभग 6:00 बजे)25 मार्चः प्रातः अर्घ्य (सूर्योदय सुबह 5:49 बजे) धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस व्रत को करने से बल, आरोग्य, समृद्धि और संतान सुख की प्राप्ति होती है। विशेष रूप से संतान की कामना करने वाली महिलाओं के लिए यह व्रत अत्यंत फलदायी माना गया है। राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में इस पर्व को लेकर भक्तों में उत्साह देखा जा रहा है। घाटों की सफाई, पूजन सामग्री की खरीदारी और तैयारियों का दौर जारी है, जिससे माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया है।

सीएम नीतीश कुमार की कुशल नीतियों से बिहार ने अपना खोया हुआ गौरव पुनः प्राप्त किया : कुशवाहा

पटना। बिहार में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को बिहार दिवस के अवसर पर जारी बयान में कहा कि वर्ष 2005 के बाद बीते 21 वर्षों के सुशासन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कुशल नीतियों और राज्य के विकास के प्रति प्रतिबद्धता के कारण बिहार ने अपना खोया हुआ गौरव और सम्मान पुनः प्राप्त किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्य सरकार की दूरदर्शी योजनाओं और ईमानदार सोच का परिणाम है कि बिहार आज हर क्षेत्र में प्रगति के नए आयाम स्थापित कर रहा है। नालंदा में नया विश्वविद्यालय, राजगीर में खेल परिसर, पटना में मेट्रो परियोजना और विश्वस्तरीय जेपी गंगा पथ जैसे बड़े बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट राज्य की बदलती तस्वीर को दर्शाते हैं। इसके साथ ही गांव-गांव तक सड़कों का विस्तार भी विकास की गति को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार ने वह समय भी देखा है जब अपराध के डर से लोगों को पलायन करना पड़ता था, जबकि आज राज्य अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों का सफल मंच बन रहा है। दुनिया भर के खिलाड़ी यहां के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर की सराहना कर रहे हैं, जो मुख्यमंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति और सुशासन का परिणाम है। जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बिहार अब 'बीमारू राज्य' की छवि से बाहर निकलकर विकास के नए मानक स्थापित कर रहा है। पहले जहां बेटियों को शिक्षा में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, वहीं आज बिहार, महिला पुलिस बल के मामले में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। साथ ही उद्योग-धंधों के विकास और रोजगार के अवसरों में भी लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्रों में भी बिहार का मॉडल देश के लिए प्रेरणास्रोत बन चुका है। जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने अंत में कहा कि बिहार दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि राज्य के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए विकास के लिए नए संकल्प लेने का अवसर भी है। यह दिन सभी को एक समृद्ध, सशक्त और विकसित बिहार के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करता है।

उपराज्यपाल ने श्री माता वैष्णो देवी पवित्र छड़ी यात्रा को दिखाई हरी झंडी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को श्री माता वैष्णो देवी जी के प्राचीन मार्ग की 'पवित्र छड़ी' यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों में भी भाग लिया। उपराज्यपाल कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा की गई जानकारी के अनुसार, मनोज सिन्हा इस अवसर पर भक्तों के साथ शुभ 'प्रथम पूजा' समारोह में शामिल हुए और उन्होंने नगरोटा में स्थित प्रसिद्ध कोल कंडोली मंदिर में भी पूजा-अर्चना की। पोस्ट में आगे कहा गया है कि उपराज्यपाल ने सभी तीर्थयात्रियों को सुरक्षित यात्रा के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। इस तीर्थयात्रा को धार्मिक आस्था और परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है, जो बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करती है। तीर्थयात्रा के सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक व्यवस्थाएं भी की गई हैं। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय बना रहा।

आंध्र प्रदेश: दूध में मिलावट के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 16 हुई

राजमहेंद्रवरम। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में संदिग्ध रूप से मिलावटी दूध पीने के कारण मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है, जबकि तीन लोगों का राजमहेंद्रवरम के अस्पतालों में इलाज जारी है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इस मामले का पता सबसे पहले 22 फरवरी को चला था जब कई बुजुर्ग व्यक्तियों को पेशाब न आना, उल्टी, पेट दर्द और अन्य दिक्कतों के कारण अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। लालाचेरुवु के चौडेश्वरनगर और स्वरूपनगर इलाकों के निवासी कथित तौर पर मिलावटी दूध पीने के बाद बीमार पड़ गए। रविवार को जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रयोगशाला जांच में सामने आया है कि 16 लोगों की मौत मिलावटी दूध के सेवन से हुई जिसमें 'एथिलीन ग्लाइकोल' नामक जहरीला रसायन मिला हुआ था। विज्ञप्ति में कहा गया, "प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं गुर्दों के काम करने के कारण लोगों की मौत हुई। उनके रक्त में यूरिया और सीरम क्रिएटिनिन का स्तर असामान्य रूप से बढ़ा हुआ पाया गया, जो किसी विषैले पदार्थ के संपर्क में आने की ओर इशारा करता है। आशंका है कि यह जहरीला प्रभाव मिलावटी दूध के सेवन से जुड़ा हो सकता है।" प्रारंभिक जांच में पता चला कि दूध का सेवन ही विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आने का मुख्य स्रोत था।

रायपुर : गैस सिलेंडर की कालाबाजारी, आरोपित गिरफ्तार, 16 सिलेंडर बरामद

रायपुर। राजधानी रायपुर के रांवाभाटा इलाके में गैस की कालाबाजारी करने वाले एक आरोपित को खमतराई पुलिस ने धर दबोचा है। आरोपित के कब्जे से 16 भरे हुए एलपीजी सिलेंडर बरामद किया गया है। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है। रविवार को पुलिस अधिकारियों ने बताया कि, पुलिस को सूचना मिली थी कि, रांवाभाटा क्षेत्र के बंजारी मंदिर के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से भारी मात्रा में घरेलू गैस सिलेंडर रखा हुआ है जो अवैध तरीके से बिक्री कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारा, जहां से आरोपित संजय साव निवासी ट्रांसपोर्ट नगर रावाभाठा को गिरफ्तार किया गया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपित के कब्जे से 16 भरे हुए एलपीजी गैस सिलेंडर बरामद किए हैं, जिन्हें वह अधिक कीमत पर बेचने की तैयारी में था। जब्त सिलेंडर की कीमत लगभग 64 हजार रुपये बताई गई। पुलिस ने सभी सिलेंडरों को जब्त कर लिया है। आरोपित के विरुद्ध थाना खमतराई में इस्तगासा क्रमांक 03/26 धारा 106 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई। साथ ही आरोपित द्वारा अवैध रूप से रखे कुल 16 इंडियन घरेलू गैस सिलेंडर के संबंध में खाद्य विभाग को पत्राचार कर अवगत कराया जायेगा।

सुक्खू सरकार का बजट हिमाचल को आर्थिक संकट की ओर ले जाने वाला : संदीपनी भारद्वाज

शिमला। हिमाचल प्रदेश के वित्त वर्ष 2026–27 के बजट को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। प्रदेश में बजट पेश होने के बाद अब विपक्ष लगातार सरकार पर सवाल उठा रहा है। इसी क्रम में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने कांग्रेस की सुक्खू सरकार के बजट को प्रदेश के लिए आर्थिक रूप से चिंताजनक बताया।

संदीपनी भारद्वाज ने रविवार को शिमला में पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार बजट का आकार कम किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले बजट का आकार लगभग 58,514 करोड़ रुपये था, जिसे घटाकर करीब 54,928 करोड़ रुपये कर दिया गया है। उनके अनुसार लगभग 3,500 से 4,000 करोड़ रुपये की कमी से विकास कार्य प्रभावित होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर हो चुकी है कि सरकार को कर्मचारियों के वेतन का 3 प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत तक हिस्सा अगले छह महीनों के लिए स्थगित करना पड़ा है। उन्होंने इसे वित्तीय संकट का संकेत बताते हुए कहा कि प्रदेश वित्तीय आपातकाल जैसे हालात से गुजर रहा है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में कांग्रेस सरकार ने करीब 45,000 करोड़ रुपये का कर्ज लिया है और प्रदेश पर कुल कर्ज एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। उन्होंने कहा कि लगभग 15,000 करोड़ रुपये की अदायगी का बोझ है, लेकिन इसे चुकाने के लिए सरकार के पास कोई स्पष्ट योजना नजर नहीं आती। उन्होंने सवाल उठाया कि बजट में कर्ज और ब्याज की अदायगी को लेकर कोई ठोस रोडमैप क्यों नहीं दिया गया है। संदीपनी भारद्वाज ने सरकार पर जनता को भ्रमित करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि पहले बोर्ड और निगमों के चेयरमैन का मानदेय 30 हजार रुपये से बढ़ाकर 80 हजार रुपये किया गया और अब उसमें कटौती का दिखावा किया जा रहा है। उनके अनुसार यह केवल दिखावटी कदम है। उन्होंने पंचायतों से जुड़े मुद्दे को भी उठाया और कहा कि 15वें वित्त आयोग के तहत पंचायतों और जिला परिषदों को दिए गए धन को वापस लेने की प्रक्रिया लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। उनका कहना था कि यदि कहीं धन खर्च नहीं हुआ है तो इसकी जिम्मेदारी अधिकारियों की होनी चाहिए, न कि चुने हुए प्रतिनिधियों की।

किसानों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सरकार दूध के दाम बढ़ाने की बात तो कर रही है, लेकिन दूसरी ओर मिल्क फेडरेशन द्वारा खरीद पर सीमाएं लगाई जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को समय पर भुगतान नहीं मिल रहा है और करीब 120 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अभी भी लंबित है।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने की बात करती है, लेकिन किसानों को वास्तविक राहत देने में सफल नहीं हुई है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि बागवानी क्षेत्र की भी अनदेखी की गई है, जबकि हिमाचल प्रदेश एक बागवानी आधारित राज्य है। संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत मिले लगभग 3,300 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट भी सही तरीके से लागू नहीं हो पाए हैं और धन वापसी की स्थिति बन रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि केंद्र से आर्थिक सहायता न मिले तो प्रदेश सरकार के लिए कर्मचारियों को वेतन देना भी मुश्किल हो सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नर्सिंग अफसरों को दिए नियुक्ति पत्र

नर्सिंग सेवा और संवेदना का पेशा: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राजधानी लखनऊ में लोकभवन में आयोजित समारोह में 492 चयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे, जबकि शेष 736 अभ्यर्थियों को 13 राजकीय मेडिकल कॉलेजों और दो चिकित्सा संस्थानों में आयोजित सजीव कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने नियुक्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यमंत्री समेत विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। यह भर्ती प्रक्रिया उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने की है।

नियुक्ति पत्र प्रदान करने के लिए आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नर्सिंग की पढ़ाई करने वाले युवक-युवतियों को नौकरी मिलना तय रहता है, क्योंकि इनकी मांग सिर्फ उत्तर प्रदेश या भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में भी रहती है। अपने 9 वर्ष के कार्यकाल की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में इस समय 81 मेडिकल कॉलेज हो गए हैं। उन्होंने वर्ष 2017 से पहले स्वास्थ्य विभाग की खामियां गिनाते हुए कहा कि तब नियुक्तियां की जाती थी, लेकिन डॉक्टर अस्पताल जाएं या ना जाएं, मरीजों को इलाज मिले या न मिले, किसी से कोई मतलब नहीं होता था लेकिन वर्ष 2017 के बाद से प्रदेश में न केवल स्वास्थ्य बल्कि सभी व्यवस्थाएं बदली हैं। बल्कि योग्यता के आधार पर पारदर्शिता के साथ नियुक्तियां हो रही हैं और नवरात्र पर्व पर नियुक्ति पत्र दे रहे हैं। नौ सालों में नौ लाख से अधिक नियुक्तियां की गयी हैं और कहीं भी भ्रष्टाचार की शिकायत नहीं मिली। पहले माफिया और सरकार पैरलल चलते थे। लेकिन, आज माफिया का सिस्टम खत्म हुआ है। हमने एक जिला एक मेडिकल कॉलेज को वास्तविक रूप से लागू किया है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य की सुविधा और उसकी बदहाली स्थिति की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इंसेफ्लाइटिस से हजारों मौतें होती थीं और कोई पूछता नहीं था। गोरखपुर के जिला चिकित्सालय का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे वहां एक महिला प्राचार्य के रिटायरमेंट होने तक तत्कालीन सरकार ने न तो फैकल्टी की व्यवस्था की और न ही प्राचार्य की और एएनएम और जीएनएम के कोर्स बंद होने के कगार पर पहुंच गयी। मैं उस समय सांसद था तो रिटायरमेंट नजदीक आने पर प्राचार्या ने हमसे समस्या बताई तो हमने जब सीएमओ को बुलाकर पूछा तो उन्होंने बताया कि सरकार को कई पत्र लिख चुके हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है, तब ऐसी व्यवस्था थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकारों में बंद हो चुके एएनएम-जीएनएम कॉलेजों को हमने शुरू किया। सरकार के प्रयास से प्रदेश में 35 एएनएम कॉलेज और 31 नर्सिंग कॉलेज बेहतर किए गए। प्रदेश की डबल इंजन की सरकार ने हेल्थ केयर को प्राथमिकता पर लिया। पहले सब कुछ भगवान भरोसे चल रहा था। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने इन सभी चयनित नर्सिंग अभ्यर्थियों को नियुक्ति के लिए बधाई दी।

स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह समेत विभागीय अधिकारियों ने सभी नव चयनित नर्सिंग अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। इन नव चयनित नर्सिंग अफसरों की नियुक्ति आगरा, कानपुर, प्रयागराज, मेरठ, झांसी, गोरखपुर, अंबेडकरनगर, कन्नौज, आजमगढ़, जालौन, सहारनपुर, बांदा और बदायूं के मेडिकल कॉलेजों के साथ जेके कैंसर संस्थान और हृदय रोग संस्थान, कानपुर में की जाएगी। इन अभ्यर्थियों में 1097 महिलाएं और 131 पुरुष शामिल हैं।

फरसा बाबा की मौत के बाद बवाल करने वाले 13 गिरफ्तार

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में शनिवार को सड़क हादसे में गौशाला संचालक चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा की मृत्यु के बाद उनके समर्थकों ने जमकर बवाल किया। हाइवे जामकर पुलिस पर पथराव किया, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हुए। वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। किसी तरह अफसरों ने हालात को काबू में किया। पुलिस अब उपद्रव करने वालों को चिन्हित कर उनकी गिरफ्तारी कर रही है। इस मामले में अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें हरियाणा के दक्ष चौधरी सहित चार लोग भी शामिल हैं, जबकि 30 नामजद और 250 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

पुलिस के मुताबिक, शनिवार देर शाम हरियाणा निवासी दक्ष चौधरी, अक्कू पंडित अपने काफिले के साथ आजनौख पहुंचे। उन्होंने फरसा बाबा को श्रद्धांजलि देने के बाद गोरक्षकों से बातचीत की। भीड़ ने दक्ष चौधरी को बताया कि हमारे दर्जनों गोरक्षक छाता थाने में बंद हैं। इसके बाद दक्ष चौधरी समर्थकों संग छाता थाना चल पड़े। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया में वीडियो प्रसारित कर थाने का घेराव करने की अपील की। इससे माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया। तभी रामा देवी स्कूल के नजदीक मथुरा पुलिस ने उन्हें रोका। इस दौरान दक्ष चौधरी व अक्कू पंडित की नौहझील थाना प्रभारी सोनू कुमार और गोविंद नगर थाना प्रभारी रवि त्यागी से नोकझोंक हो गई। माहौल बिगड़ता देख पुलिस ने दक्ष चौधरी समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया। उनके विरुद्ध बरसाना थाना में लोगों में अफवाह फैलाकर दंगा भड़काने और सरकारी कार्य में बाधा डालने का मुकदमा दर्ज किया।

एसएसपी श्लोक कुमार ने वीडियो के जरिए दिए गए बयान में कहा कि शनिवार रात थाना कोसी क्षेत्र में सड़क हादसा हुआ, जिसमें फरसा बाबा की मृत्यु हो गई। इस संबंध में उनके साथी की ओर दी गई तहरीर पर एक्सीडेंट का मुकदमा दर्ज हुआ है। जिस ट्रक से एक्सीडेंट हुआ था उसके चालक की भी उपचार के दौरान मौत हो चुकी है। इस संबंध में पुलिस की ओर से अग्रिम कार्यवाही प्रचलित है। इस घटना में बाहरी तत्वों ने अराजकता फैलाई, जिसके उपरांत थाना छाता क्षेत्र में जाम लगया।कुछ उपद्रवियों ने पथराव किया। उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अब तक 13 लोगों की गिरफ्तार किया गया है। सभी उपद्रवियों को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चिन्हित किया जा रहा है।

एसएसपी ने बताया कि इस घटना में दक्ष चौधरी नाम का व्यक्ति जो मथुरा के बाहर का रहने वाला है, ने यहां आकर यहां भ्रामक तत्व फैलाने, सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने पर उसके विरुद्ध मुकद्मा पंजीकृत करते हुए उसके तीन साथियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रशासन की ओर से यह अपील की जाती है कि सोशल मीडिया पर पोस्ट न डाले, जो भी पोस्ट की जाए वह सत्य हो अन्यथा की स्थिति में पोस्ट डालने वाले, अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जायेगी। सुरक्षा की दृष्टि से गौशाला क्षेत्र में सेक्टर टीम तैनात कर दी गई है, जिसमें मजिस्ट्रेट शामिल हैं।

पुलिस ने इटली पर्यटक का खोया कैमरा लौटाया, विदेशी नागरिक ने जताया आभार

वाराणसी। इटली देश से भारत में सांस्कृतिक राजधानी वाराणसी में पर्यटन के लिए आई महिला अलेक्जेंडर और उनके सहयोगी ने दुर्गाकुंड स्थित कुष्मांडा मंदिर में घूमते वक्त अपना कैमरा खो दिया। तभी मंदिर की सुरक्षा में मौजूद पुलिसकर्मियों ने इटली की पर्यटक की समस्या सुनी और कैमरा खोजने में जुट गए।

करीब आधे घंटे की जद्दोजहद के बाद पुलिसकर्मियों ने कैमरे को खोज निकाला और अलेक्जेंडर और उनके सहयोगी को कैमरा वापस किया। इस संबंध में इटली से आए पर्यटकों अलेक्जेंडर और उनके सहयोगी ने भारतीय पुलिस की कार्यशैली को जमकर सराहा और वाराणसी में पुलिसकर्मियों को कहा कि थैंक्यू वाराणसी पुलिस, इन इंडिया एव्री थिंग इस पॉसिबल। पर्यटकों में एक अच्छी मुस्कान देते हुए पुलिसकर्मियों को उनके अच्छे स्वास्थ्य और स्फूर्ति के लिए अपनी शुभकामनाएं दी।

विश्व जल दिवस : वाराणसी में रन फॉर क्लीन गंगा मैराथन में हजारों युवाओं ने दौड़ लगाई

वाराणसी। विश्व जल दिवस पर रविवार को उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में गंगा नदी की निर्मलता और स्वच्छता के लिए संकट मोचन फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित रन फॉर क्लीन गंगा मैराथन में हजारों युवाओं ने पूरे उत्साह के साथ दौड़ लगाई।

मैराथन में खास बात यह रही कि फिल्म अभिनेता मिलिंद सोमन ने भी 10.55 किमी दौड़ में भाग लेकर गंगा की स्वच्छता का संकल्प व संदेश दिया। पुरुषों के साथ महिलाओं की भागीदारी भी प्रशंसनीय रही। यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया व स्टाइडर्स के प्रायोजन में मैराथन की शुरूआत सुबह छह बजे नमो घाट से हुआ। फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो. विश्वम्भरनाथ मिश्र व फिल्म अभिनेता ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन को रवाना किया। इसके साथ ही अभिनेता भी मैराथन दौड़ में भी शामिल हो गए। सभी प्रतिभागियों का स्वागत तुलसी द्वार पर गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा के बीच किया गया। इस अवसर पर तुलसीघाट पर आयोजित सभा में मैराथन के दोनों वर्गों में महिलाओं व पुरुषों को अलग- अलग प्रथम स्वर्ण पदक, द्वितीय रजत पदक व तृतीय ताम्र पदक दिए गए। साथ ही दोनों वर्गों में महिला- पुरुष वर्ग के लिए नकद पुरस्कार दिए गए। 10.55 किमी मैराथन में भाग लेने वाले विजेताओं को प्रथम स्वर्ण पदक 21 हजार रुपये, द्वितीय रजतपदक 16 हजार रुपये व तृतीय ताम्र पदक 11 हजार रुपये नकद दिए गए। वहीं सात किमी मैराथन में स्वर्ण पदक के लिए 15 हजार , रजतपदक को 10 हजार व ताम्रपदक प्राप्त कर्ता को सात हजार नकद दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अभिनेता मिलिंद सोमन ने कहा कि आज की दौड़ का उद्देश्य स्वच्छ गंगा है। यह उद्देश्य अहम महत्व का है।

हम सब की जिम्मेदारी है कि जैसे हम अपने शरीर को स्वस्थ और चुस्त-दुरुस्त रखतें हैं, उसी तरह अ गंगा को भी प्रदूषण मुक्ति व स्वच्छ रखें। आज अपने परिवार को इस अभियान से जोड़ने की आवश्यकता है। फाउंडेशन के निदेशक प्रो. एसएन उपाध्याय ने कहा कि प्राकृतिक स्त्रोत को बचाने का उपाय सोचना हमारा उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने स्वामी अड़गड़ानंद से लिया आशीर्वाद, बोले-संतों के मार्ग से ही मिलता है देवत्व

मीरजापुर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को चुनार तहसील स्थित सक्तेशगढ़ आश्रम में स्वामी अड़गड़ानंद महाराज का आशीर्वाद लेने के बाद कहा कि संतों का मार्ग ही मनुष्य को देवत्व तक पहुंचाता है। इसी सनातन चेतना के कारण आज विश्व पटल पर भारत की आध्यात्मिक शक्ति उभरकर सामने आई है। उन्होंने सनातन परंपरा को मानवता के लिए मार्गदर्शक बताया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वामी अड़गड़ानंद महाराज का आशीर्वाद लिया और आश्रम में करीब एक घंटे से अधिक समय बिताया। इस दौरान वह सत्संग हाल में आयोजित सभा में शामिल हुए और संतों व श्रद्धालुओं को संबोधित किया। मुख्यमंत्री के आगमन से आश्रम परिसर में पूरे समय श्रद्धा, उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहा। सत्संग हाल में अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि मुझे अपने जीवन में संतों के मार्ग से जुड़ने का अवसर मिला। संतों के मार्ग से देवत्व की प्राप्ति कैसे होती है, इसका प्रत्यक्ष प्रमाण यहां दिखाई देता है। यह ईश्वर की लीला है, जो हमारी सनातन संस्कृति के लिए प्रेरणा, आशीर्वाद और विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ करती है। उन्होंने कहा कि स्वामी अड़गड़ानंद महाराज से आशीर्वाद लेकर वह संकल्पित हैं कि आने वाले समय में संतों की सेवा के साथ-साथ सभी भक्तों, श्रद्धालुओं और दर्शनार्थियों के लिए बेहतर से बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम संकल्पित हैं कि यहां आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए जितनी अच्छी व्यवस्था हो सकती है, वह की जाए। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में धार्मिक पर्यटन को लेकर भी सरकार की योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़े स्थलों को धार्मिक पर्यटन के प्रमुख केंद्रों के रूप में विकसित कर रही है।

उनका कहना था कि आस्था से जुड़े स्थलों को सुविधाओं, व्यवस्थाओं और सांस्कृतिक पहचान के आधार पर मजबूत किया जा रहा है, ताकि देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर वातावरण मिल सके। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नगरीय निकायों, नगर पालिकाओं और नगर निगम क्षेत्रों में गीता भवन बनाने की योजना पर भी काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे गीता भवन बना रहे हैं, जहां सभागार हो, विचार-विमर्श की जगह हो, कंप्यूटर और लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं हों, ताकि विद्यार्थी और समाज दोनों उसका लाभ ले सकें। उन्होंने बताया कि इस दिशा में कई स्थानों पर काम शुरू भी हो चुका है।

उप्र में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से एक सप्ताह में 10 डिग्री तक बढ़ेगा तापमान, सुबह रहेगी हल्की धुंध

लखनऊ। उत्तर प्रदेश से होकर गुजर रहे पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अगले एक सप्ताह की अवधि में तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि की संभावना जतायी जा रही है। मौसम विभाग लखनऊ की ओर से मौसम को लेकर यह पूर्वानुमान किया गया है। हालांकि अभी भी अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रहेगा और सुबह-सुबह हल्की धुंध बनी रहेगी।

मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पूर्वांचल के कुछ जिलों में शनिवार को दिन भर बादलों की उपस्थिति के साथ हुई हल्की वर्षा के परिणामस्वरूप दिन के अधिकतम तापमान में 7 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गयी। इसके अतिरिक्त प्रदेश के अन्य भागों से इसका प्रभाव समाप्त होने के साथ मौसम साफ़ होने से तापमान में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में 7 डिग्री सेल्सियस तक की और मध्यवर्ती जिलों में 2-4डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोत्तरी हुई है,लेकिन इसके बावजूद प्रदेश भर में अधिकतम तापमान सामान्य से अभी भी उल्लेखनीय रूप से नीचे है।

अतुल कुमार सिंह वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी एकीकृत प्रादेशिक मौसम पूर्वानुमान केंद्र ने बताया कि इस मौसम तन्त्र का प्रभाव 22 मार्च से पूर्णतया समाप्त हो जाने पर अधिकतम तापमान में अगले 5-6 दिनों के दौरान 7-10डिग्री सेल्सियस की क्रमिक व्यापक बढ़ोत्तरी होने की संभावना है। इसी क्रम में न्यूनतम तापमान भी सामान्य से नीचे पहुंच जाने,नमी की प्रचुरता एवं वायुमण्डलीय स्थिरता के परिणामस्वरुप सुबह में कहीं-कहीं हल्की धुन्ध की स्थितियां बन सकती हैं,लेकिन यह धुंध सूर्योदय के साथ ही छंट जाएगी।

मौसम विभाग के अनुसार अगले एक सप्ताह तक उत्तर प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा और किसी प्रकार की चेतावनी नहीं दी गयी है। हालांकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर 26 और 28 मार्च को जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में 27 मार्च को कई स्थानों पर गरज चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

घर से नाराज होकर निकली किशोरी का शव सरयू नदी से बरामद

बलिया। जिले में चार दिन पहले परिजनों से नाराज होकर घर से निकली एक नाबालिग किशोरी का शव रविवार को सरयू नदी में बरामद किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार बैरिया थाना क्षेत्र के चांद दीयर गांव में मांझी घाट पुल के नीचे सरयू नदी में किशोरी का शव मिला जिसकी सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी। थाना प्रभारी राजेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया कि किशोरी की पहचान दोकटी थाना क्षेत्र के करन छपरा गांव की निवासी खुशी यादव (14) के रूप में हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि किशोरी 19 मार्च को परिजनों से नाराज होकर घर से निकली थी और इसी दिन मांझी पुल से कूद गई थी। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

विंध्य धाम में प्लास्टिक मुक्त अभियान तेज, गंगा घाटों पर उतरे 'गंगा वारियर'

मीरजापुर। विंध्य धाम को प्लास्टिक मुक्त बनाने का अभियान नवरात्र मेले के दौरान और तेज हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर रविवार को चौथे दिन गंगा वारियर, गंगा दूतों और वन विभाग की टीम ने घाटों पर व्यापक सफाई अभियान चलाया। टीम ने गंगा घाटों पर प्लास्टिक व पॉलीथीन का संग्रह कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस दौरान मां गंगा को साक्षी मानकर संकल्प लिया गया कि नवरात्र के बाद भी तटवर्ती गांवों और घाटों को प्लास्टिक मुक्त बनाने की मुहिम जारी रहेगी।

नवरात्र के अवसर पर बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश सहित विभिन्न प्रांतों से आए श्रद्धालु पहले गंगा घाटों पर पहुंचकर पवित्र स्नान कर रहे हैं। साफ-सुथरे घाट और निर्मल जल देखकर श्रद्धालु प्रसन्न नजर आए। गंगा वारियर और प्रहरियों को सफाई करते देख कई श्रद्धालु भी स्वेच्छा से अभियान में जुड़ते दिखाई दिए। जिला वनाधिकारी राकेश कुमार के निर्देशन में यह अभियान लगातार चल रहा है। नगर मजिस्ट्रेट अविनाश कुमार ने बताया कि नवरात्र के पहले दिन से ही नियमित सफाई कराई जा रही है और दर्शनार्थियों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने गंगा वारियर और प्रहरियों के कार्यों की सराहना की।

अभियान में वन क्षेत्राधिकारी (नगर) एसपी वर्मा, उप वन क्षेत्राधिकारी विपिन सिंह, वन दरोगा एसके द्विवेदी, प्रशांत पटेल, कुमार कार्तिकेय, वाचर मंगला प्रसाद तथा गंगा दूत राहुल निषाद, साजन, संदीप, अमन, विकास सहित कई लोग शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

ढडुप्लांटिस ने नए रिकॉर्ड के साथ लगातार चौथी बार विश्व इंडोर पोल वॉल्ट खिताब जीता

टोरुन (पोलैंड)। आर्मंड डुप्लांटिस ने यूनान के एम्मानौइल करालिस से कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए पोल वॉल्ट में एक और विश्व खिताब जीता। डुप्लांटिस ने 6.25 मीटर की कूद लगाकर लगातार चौथी बार विश्व इंडोर चैंपियनशिप जीती, जो कि एक साल पहले नानजिंग में उनके पिछले रिकॉर्ड से 10 सेंटीमीटर अधिक है। इन दोनों के अलावा अन्य खिलाड़ी 6.05 मीटर तक ही पहुंच पाए। डुप्लांटिस ने 6.10, 6.15 और फिर 6.25 मीटर कूद लगाई। करालिस ने 6.10 और 6.15 मीटर की लंबाई सफलतापूर्वक पार की, लेकिन 6.25 पर अपने प्रयास में चूक गए, और लगातार दूसरे वर्ष उपविजेता रहे। डुप्लांटिस ने अपना पोल एक तरफ रख दिया और अपने 6.31 मीटर के उस विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने का प्रयास नहीं किया, जो उन्होंने पिछले सप्ताह स्वीडन में उनके नाम पर आयोजित मोंडो क्लासिक प्रतियोगिता में बनाया था।

केन ने फिर गोल किया, बायर्न बुंडेसलीगा खिताब के और करीब पहुंचा

बर्लिन। इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी हैरी केन ने एक बार फिर गोल किया जिससे बायर्न म्यूनिख ने यूनियन बर्लिन को 4-0 से हराकर 14 वर्षों में अपना 13वां बुंडेसलीगा फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीतने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाया। केन ने हाफ टाइम के बाद जर्मनी की इस लीग के वर्तमान सत्र में अपना 31वां गोल दागा। अभी इस लीग में सात दौर का खेल होना बाकी है और ऐसे में केन के पास रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के एक सत्र में सर्वाधिक 41 गोल करने का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है। बायर्न की तरफ से सर्गे ग्नाब्री ने दो गोल किए और माइकल ओलिस ने भी एक गोल दागा। इस तरह से उसके इस सत्र में 97 गोल हो गए हैं और वह 1971-72 में बनाए गए 101 गोल के अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ने के करीब पहुंच गया है। बायर्न के इस जीत से 27 मैच में 70 अंक हो गए हैं और वह दूसरे नंबर पर काबिज डॉर्टमंड से नौ अंक आगे हो गया है।

लिवरपूल और चेल्सी पर चैंपियंस लीग में जगह बनाने की दौड़ से बाहर होने का खतरा

लिवरपूल। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण लिवरपूल और चेल्सी के लिए प्रीमियर लीग फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब तो दूर की कौड़ी बनता ही जा रहा है, बल्कि उन पर अब चैंपियंस लीग में जगह बनाने की दौड़ से बाहर होने का खतरा भी मंडरा रहा है। लिवरपूल को इस सत्र में प्रीमियर लीग में 10वीं जबकि चेल्सी को 10 दिनों में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा है। शनिवार को ब्राइटन के हाथों 2-1 से मिली हार से लिवरपूल का अपने खिताब का बचाव करने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। मौजूदा चैंपियन टीम पिछले तीन मैच में जीत हासिल नहीं कर पाई है। इसके कुछ घंटों बाद चेल्सी को एवर्टन ने 3-0 से हरा दिया। लिवरपूल लीग में पांचवें स्थान पर बना हुआ है। वह चेल्सी से एक अंक और एक स्थान आगे है। प्रीमियर लीग में शीर्ष पांच में रहने वाली टीम ही अगले सत्र के लिए चैंपियंस लीग में जगह बनाएंगी।

न्यूजीलैंड महिला टीम ने चौथे T-20 में दक्षिण अफ्रीका को 6 विकेट से हराया

मेजबान टीम न्यूजीलैंड ने सीरीज में 3-1 की बनाई अजेय बढ़त

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज के चौथे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली है। सीरीज का आखिरी मैच 25 मार्च को क्राइस्टचर्च के हैगली ओवल में खेला जाएगा।

वेलिंगटन में रविवार को खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में छह विकेट पर 159 रन बनाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन एनेरी डर्कसेन ने बनाए। उन्होंने 32 गेंदों में नाबाद 55 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी में आठ चौके और एक छक्का शामिल था। डर्कसेन के अलावा सलामी बल्लेबाज सुने लूस ने 29 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 30 रन बनाए। इनके अलावा नादिन डी क्लर्क 20 रन, क्लो ट्रायोन ने 14 रन, कायला रेनेके ने 13 रन और कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 10 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की ओर से जेस केर ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट झटके। कप्तान अमेलिया केर और सोफी डिवाइन को एक-एक सफलता मिली। 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। विकेटकीपर बल्लेबाज इसाबेला गेज 6 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद जॉर्जिया प्लिमर और कप्तान अमेलिया केर ने पारी को आगे बढ़ाया। जॉर्जिया ने जहां 22 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 29 रन बनाए, वहीं कप्तान केर ने 29 गेंदों में चार चौकों की मदद से 31 रन की पारी खेली। इन दोनों का विकेट गिरने के बाद अनुभवी सोफी डिवाइन ने एक बार फिर शानदार बल्लेबाजी कर टीम को जीत दिला दी। उन्होंने 34 गेंदों पर चार छक्कों और छह चौकों की मदद से 64 रनों की विस्फोटक पारी खेली। ब्रूक हैलिडे 16 और मैडी ग्रीन 09 रन बनाकर नाबाद रहीं। डिवाइन की पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने यह लक्ष्य 18.3 ओवर में हासिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से क्लो ट्रायोन ने दो विकेट लिए, जबकि डर्कसेन और एन म्लाबा को एक-एक विकेट मिला।

आयरलैंड दौरा स्थगित कर टीम इंडिया की मेजबानी की तैयारियों में जुटा बांग्लादेश

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सितंबर 2026 में होने वाले अपनी टीम के आयरलैंड दौरे को फिलहाल स्थगित कर दिया है। बांग्लादेश इस दौरान भारत की मेजबानी करने की योजना बना रहा है। बीसीबी के एक अधिकारी ने क्रिकबज को बताया कि सितंबर 2026 में प्रस्तावित बांग्लादेश का आयरलैंड दौरा टाल दिया गया है क्योंकि वे उस दौरान भारत की मेजबानी की योजना बना रहे हैं।

क्रिकेट आयरलैंड ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को सूचित किया है कि वे 2026 के भीतर पुनर्निर्धारण की व्यवस्था करने में असमर्थ होंगे। यह सूचना बीसीबी द्वारा यह बताने के बाद दी गई कि वे सितंबर में यात्रा करने में असमर्थ होंगे क्योंकि वे उस दौरान भारत की मेजबानी करने की योजना बना रहे हैं। दोनों बोर्ड इस बात पर सहमत हुए कि श्रृंखला को टाल दिया जाए क्योंकि दोनों पक्ष सितंबर की निर्धारित अवधि में इसे आयोजित करने में असमर्थ थे।

भारतीय टीम को 2025 में बांग्लादेश का दौरा करना था लेकिन बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता, सुरक्षा चिंताओं और तनावपूर्ण राजनयिक संबंधों के कारण दौरे को स्थगित कर दिया गया। अब इस साल यह दौरा होने की संभावना है। हालांकि भारत का यह दौरा अभी अंतिम रूप से तय नहीं है। अगर भारत सरकार से मंजूरी मिली तो भारतीय टीम अगस्त में बांग्लादेश पहुंच सकती है। बीसीबी के अधिकारी ने क्रिकबज को बताया कि जब भारत के साथ होने वाली श्रृंखला को पिछले साल से इस सितंबर में स्थानांतरित किया गया तो हमने उनसे (क्रिकेट आयरलैंड से) पूछा कि क्या वे हमें 2026 में किसी अन्य समय पर समायोजित कर सकते हैं लेकिन उन्होंने कहा कि वे ऐसा करने में असमर्थ हैं। इसलिए दौरे को टाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें कुछ अन्य समस्याएं भी थीं इसलिए हमने आयरलैंड दौरे के लिए एक नई समयावधि खोजने के लिए मिलकर काम करने का फैसला किया। उम्मीद है कि अगले साल (2027) किसी समय यह हो।

बांग्लादेश ने हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू मैदान पर 2-1 से वनडे सीरीज जीती है। फिलाहल बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (आईसीसी) की वनडे टीम रैंकिंग में नौवें स्थान पर है। उसके 79 रेटिंग अंक हैं। 31 मार्च 2027 तक रैंकिंग में मौजूद टॉप आठ टीमों को वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने का मौका मिलेगा, जबकि बाकी टीमों को क्वालिफायर खेलना होगा। ऐसे में उसके लिए हर सीरीज महत्वपूर्ण होने वाली है।

आईपीएल में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे ऋषभ पंत

नई दिल्ली। भारत की टी20 टीम में वापसी करने की कवायद में लगे ऋषभ पंत 28 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल के इस सत्र में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हैं। एलएसजी के कप्तान के रूप में पंत के लिए यह सत्र निर्णायक साबित हो सकता है। उनके लिए काफी कुछ दांव पर लगा है क्योंकि फ्रेंचाइजी ने 2025 की मेगा नीलामी में उन्हें रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपए में अपनी टीम से जोड़ा था।

पिछले साल के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अगर पंत इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो वह भविष्य में भारत की टी20 योजनाओं का हिस्सा बन सकते हैं। पंत खेल के तीनों प्रारूप में से केवल भारतीय टेस्ट टीम के ही अभिन्न सदस्य हैं जबकि वनडे में वह केएल राहुल के बैकअप विकेटकीपर हैं। इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने 2024 में भारत की विश्व कप जीत के बाद टी20 टीम में अपनी जगह गंवा दी थी। संजू सैमसन और ईशान किशन के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए टीम में वापसी करने के लिए उन्हें कुछ खास प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है। इसलिए पंत के लिए आईपीएल का आगामी सत्र काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें वह अपनी कीमत को जायज ठहराने के अलावा खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की भी कोशिश करेंगे।

पंत ने पिछले सत्र में अधिकतर समय चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की थी लेकिन तब वह आखिर के कुछ मैचों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे। उस समय तक हालांकि लखनऊ की वापसी की संभावना समाप्त हो गई थी। पंत के तीसरे नंबर पर उतरने का मतलब होगा कि निकोलस पूरन को बल्लेबाजी क्रम में नीचे आना पड़ेगा। एलएसजी की टीम अभी लखनऊ में अपने घरेलू मैदान पर अभ्यास कर रही है। उसका पहला मैच एक अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होगा।

विदेशी खिलाड़ियों की चोट और अनुपस्थिति से कुछ आईपीएल टीमों के समीकरण गड़बड़ाए

नई दिल्ली। कुछ प्रमुख विदेशी खिलाड़ियों के चोटिल होने या देर से टीम में शामिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में कुछ टीमों के समीकरण गड़बड़ा गए हैं। कुछ प्रमुख विदेशी खिलाड़ी चोटिल होने के कारण पहले ही पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं जबकि कुछ खिलाड़ी विभिन्न कारणों से टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे।

अगर केवल चोट की बात करें तो कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। उसके भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाशदीप चोटिल होने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं जबकि श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीसा पथिराना भी पिंडली में लगी चोट के कारण केकेआर के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे। सनराइजर्स हैदराबाद को भी शुरू के कुछ मैच में अपने नियमित कप्तान पैट कमिंस के बिना मैदान पर उतरना होगा जो पीठ में खिंचाव की समस्या से उबर रहे हैं। कमिंस की अनुपस्थिति में ईशान किशन सनराइजर्स की अगुवाई करेंगे। सनराइजर्स के एक अन्य ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स पैर में चोट लगने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड भी चोटिल होने के कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की तरफ से शुरू के कुछ मैच में नहीं खेल पाएंगे। चेन्नई सुपर किंग्स को ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज नाथन एलिस की सेवाएं नहीं मिल पाएंगी क्योंकि वह हैमस्ट्रिंग की चोट के और बढ़ जाने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। दिल्ली कैपिटल्स के प्रमुख गेंदबाज मिचेल स्टार्क का भी शुरू के कुछ मैचों में खेलना संदिग्ध है क्योंकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया आगामी व्यस्त अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर को देखते हुए उनके कार्यभार पर नजर रख रहा है।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन भी पंजाब किंग्स की तरफ से शुरुआती दौर के मैचों में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि वह अपने परिवार और नवजात बेटे के साथ कुछ समय बिताना चाहते हैं। राजस्थान रॉयल्स को भी इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम कुरेन के चोटिल होने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो जाने से झटका लगा है। वह टी20 विश्व कप के दौरान चोटिल हो गए थे।

कारोबार

संक्षिप्त खबरें

अमेरिका का LPG जहाज टेक्सास से मंगलुरु पहुंचा

मंगलुरु (कर्नाटक)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण आपूर्ति में आई कमी के बीच अमेरिका से एलपीजी (रसोई गैस) लेकर एक जहाज रविवार को न्यू मंगलौर बंदरगाह पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि 'पिक्सिस पायनियर' नामक यह जहाज 14 फरवरी को टेक्सास के 'पोर्ट ऑफ नीदरलैंड' से रवाना हुआ था और इसमें 16,714 टन एलपीजी लाई गई है, जिसे एजिस लॉजिस्टिक्स को उतारा जाएगा। यह जहाज एक दिन के भीतर बंदरगाह पहुंचने वाले रूसी जहाज 'एक्वा टाइटन' के बाद आया है। यह घटनाक्रम इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि मंगलुरु में देश की सबसे बड़ी भूमिगत एलपीजी भंडारण सुविधा मौजूद है, जो सितंबर, 2025 में शुरू हुई थी। समुद्र तल से करीब 225 मीटर नीचे स्थित इस भंडारण केंद्र की क्षमता 80,000 टन है। इससे पहले, 'एक्वा टाइटन' नाम का कच्चे तेल का एक रूसी जहाज, जो पहले चीन जा रहा था, कुछ दिन पहले भारत की ओर मोड़ दिया गया था। यह जहाज शनिवार शाम मंगलुरु तट के पास पहुंचा, जिसमें करीब 7.7 लाख बैरल कच्चा तेल था। बताया जा रहा है कि इस कच्चे तेल को समुद्र में बनी पाइपलाइन के जरिये मंगलुरु रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) तक पहुंचाया जा रहा है।

श्रीलंका ने की बिजली और ईंधन के सीमित इस्तेमाल की अपील

कोलंबो। श्रीलंका सरकार ने रविवार को जनता से वैश्विक तेल बाजारों में अस्थिरता के बीच संभावित कमी से निपटने के लिए ईंधन और बिजली का सीमित व सोच-समझकर उपयोग करने की अपील की। यह अपील ऐसे समय आई है जब द्वीपीय देश ने आधी रात से ईंधन के खुदरा दाम बढ़ा दिए हैं, जो एक सप्ताह में दूसरी बढ़ोतरी है। ऊर्जा बचत के उपाय के तौर पर सरकार ने प्रत्येक वाहन के लिए जारी क्यूआर कोड के आधार पर ईंधन की बिक्री निश्चित मात्रा में शुरू कर दी है। श्रीलंका सरकार के प्रवक्ता और मंत्री नलिंदा जयतिस्सा ने कहा, "हम जनता से आग्रह करते हैं कि वे बिजली और ईंधन का समझदारी से उपयोग करें और ऊर्जा खपत को न्यूनतम रखें।" उन्होंने ईंधन की जमाखोरी के खिलाफ चेतावनी दी और ऐसे प्रयासों की जानकारी देने की अपील की। मंत्री का यह बयान ईरान के अमेरिका और इजरायल के साथ जारी युद्ध की पृष्ठभूमि में आया है, जिसके कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद अहम रणनीतिक मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो गया है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से पांच का बाजार पूंजीकरण 1.02 लाख करोड़ रुपये घटा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में एचडीएफसी बैंक रहा। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 30.96 अंक या 0.04 प्रतिशत नीचे आया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 36.6 अंक या 0.15 प्रतिशत टूट गया।

समीक्षाधीन सप्ताह में जहां एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसी आई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत बढ़ गई। शीर्ष 10 में पांच कंपनियों का बाजार मूल्यांकन कुल 1,02,771.87 करोड़ रुपये कम हो गया। सप्ताह के दौरान एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 56,124.48 करोड़ रुपये घटकर 12,01,267.28 करोड़ रुपये रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 18,009.62 करोड़ रुपये घटकर 4,89,631.32 करोड़ रुपये रह गई। बजाज फाइनेंस के पूंजीकरण में 15,338.42 करोड़ रुपये की कमी आई और यह 5,16,715.12 करोड़ रुपये पर आ गया। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 7,127.63 करोड़ रुपये घटकर 8,64,940 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 6,171.72 करोड़ रुपये घटकर 8,91,673.06 करोड़ रुपये रह गया। इस रुख के उलट रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 45,942.75 करोड़ रुपये बढ़कर 19,14,235.92 करोड़ रुपये हो गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 24,462.03 करोड़ रुपये बढ़कर 10,52,893.75 करोड़ रुपये और एसबीआई का मूल्यांकन 10,707.52 करोड़ रुपये बढ़कर 9,76,968.57 करोड़ रुपये रहा।

एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 2,624.88 करोड़ रुपये बढ़कर 4,91,610.45 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 2,473.79 करोड़ रुपये बढ़कर 5,08,789.37 करोड़ रुपये हो गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, आईसी आईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का स्थान रहा।

एफपीआई ने मार्च में अबतक भारतीय शेयर बाजार से 88,180 करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कमजोर होते रुपये और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का भारत की वृद्धि और कंपनियों की कमाई पर असर पड़ने की आशंका के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च में अबतक भारतीय शेयर बाजार से 88,180 करोड़ रुपये (लगभग 9.6 अरब डॉलर) निकाले हैं। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई की यह निकासी फरवरी में उनके द्वारा की गई खरीदारी के बाद देखने को मिली है। फरवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयरों में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो 17 महीनों का सबसे ऊंचा आंकड़ा था। हालिया निकासी के साथ 2026 में अबतक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक निकाल चुके हैं। मार्च में (20 मार्च तक), एफपीआई हर कारोबारी सत्र में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने इस दौरान 88,180 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। हालांकि, यह निकासी अक्टूबर, 2024 की 94,017 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड निकासी से कम है। एंजल वन के वरिष्ठ बुनियादी विश्लेषक वकारजावेद खान ने कहा कि एफपीआई की निकासी की मुख्य वजह पश्चिम एशिया तनाव है। इसके अलावा होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से कच्चे तेल का दाम 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गया है, जिससे एफपीआई जोखिम लेने से बच रहे हैं। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के प्रमुख प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि बढ़ता अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल एफपीआई की निकासी की एक और बड़ी वजह है। ज्यादा प्रतिफल ने डॉलर वाली संपत्तियों का आकर्षण बढ़ाया है, जिससे भारत जैसे उभरते बाजारों से एफपीआई निकासी कर रहे हैं। इसी तरह की चिंता जताते हुए जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष ने एफपीआई की बिकवाली को तेज कर दिया है।

स्कोडा ऑटो का 2026 में बिक्री में 12% की वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली। चेक वाहन ब्रांड स्कोडा इस साल भारत में '10 उत्पादों में कुछ बदलाव' और देश में नेटवर्क के विस्तार के जरिये बिक्री में 12% वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रहा है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक आशीष गुप्ता ने कहा कि कंपनी ने अपने मध्यम आकार के मॉडल एसयूवी कुशाक का नया संस्करण पेश किया है। कंपनी ने भविष्य में एक लाख इकाइयों की सालाना बिक्री का आंकड़ा पार करने का लक्ष्य रखा है। हालांकि, यह 2026 में नहीं होगा। कंपनी ने 2025 में करीब 72,000 वाहन बेचे थे। फाडा के अनुसार, जीएसटी सुधारों की मदद से, भारत में यात्रियों गाड़ियों की खुदरा बिक्री 2025 में 44,75,309 इकाई रही, जबकि 2024 में यह 40,79,532 इकाई थी, जो 9.7 % की बढ़ोतरी है। घरेलू बाजार में यात्री वाहनों के वृद्धि परिदृश्य के बारे में पूछे जाने पर गुप्ता ने कहा कि मुझे इस साल बाजार में 4-5% की वृद्धि की उम्मीद है।

ईरान युद्धः एयर इंडिया के सीईओ ने अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाने को कहा

मुंबई/नई दिल्ली। एयर इंडिया के प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने कहा है कि समूह पश्चिम एशिया के संघर्ष से काफी प्रभावित हुआ है और इसका वित्तीय प्रभाव अभी पूरी तरह से महसूस होना बाकी है। उन्होंने अनावश्यक खर्चों पर पहले से कहीं अधिक सख्त नियंत्रण रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है। घाटे में चल रही एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस पश्चिम एशिया संकट के कारण दूसरी एयरलाइन कंपनियों की तरह परिचालन बाधाओं से जूझ रही हैं। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच 28 फरवरी को शुरू हुए युद्ध के बाद यह संकट गहरा गया।

विल्सन ने कर्मचारियों को भेजे एक संदेश में कहा, "संघर्ष शुरू होने के बाद से तीन सप्ताह में हमें इस क्षेत्र की लगभग 2,500 उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। आज की स्थिति में हम अपनी सामान्य पश्चिम एशिया उड़ानों का केवल 30 प्रतिशत ही संचालित कर पा रहे हैं। कई हवाई अड्डे और हवाई क्षेत्र बंद हैं, या उन्हें हमारे सुरक्षा मानकों से बाहर माना गया है।" हवाई क्षेत्र के प्रतिबंधों के कारण एयरलाइन की ब्रिटेन, यूरोप और उत्तरी अमेरिका की उड़ानें भी लंबे हवाई मार्गों का उपयोग कर रही हैं, जिससे ईंधन की खपत बढ़ गई है। विल्सन ने कहा कि पश्चिम एशिया के लिए और वहां से होकर होने वाले परिचालन के बड़े पैमाने को देखते हुए एयर इंडिया समूह पर इसका प्रभाव महत्वपूर्ण है।

विल्सन के अनुसार, इस संकट का वित्तीय असर अभी पूरी तरह सामने नहीं आया है। विमान ईंधन की हाजिर कीमतें दोगुनी से अधिक हो गई हैं, लेकिन समूह पर इसका ज्यादातर प्रभाव अगले महीने से ही दिखाई देगा। एयर इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ ने संदेश में कहा, "फिलहाल, हमें सुरक्षित परिचालन पर ध्यान देना चाहिए, गैर-जरूरी या अनावश्यक खर्चों पर पहले से कहीं अधिक सख्त नियंत्रण रखना चाहिए, एक-दूसरे का समर्थन करना चाहिए और अपने ग्राहकों को बेहतरीन एयर इंडिया सेवा प्रदान करना जारी रखना चाहिए।"

पश्चिम एशिया संकट से गैस आपूर्ति बाधित, आधी क्षमता पर चल रहे हैं भारत के यूरिया संयंत्र

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच 'अपरिहार्य स्थिति' की घोषणा के चलते तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति बाधित होने की वजह से देश के यूरिया संयंत्र अपनी आधी क्षमता पर परिचालन कर रहे हैं। उद्योग सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि देश की सबसे बड़ा एलएनजी प्राप्त करने वाला टर्मिनल चलाने वाली पेट्रोनेट एलएनजी लि. ने अपरिहार्य स्थिति की घोषणा की है।

आपूर्तिकर्ताओं ने जलडमरूमध्य व्यवधान की वजह से कंपनी को अनुबंधित मात्रा में गैस की आपूर्ति करने में असमर्थता जताई है। इस कदम से सरकारी गैस वितरक कंपनियों गेल (इंडिया) लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. ने आपूर्ति में कटौती शुरू कर दी है। ये कंपनियां रासगैस अनुबंध के तहत उर्वरक इकाइयों को गैस की आपूर्ति करती हैं। उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि गैस आपूर्ति सामान्य स्तर से घटाकर 60-65 प्रतिशत तक कर कर दी गई है। उन्होंने कहा कि कुछ इकाइयों के लिए प्रभावी आपूर्ति 50 प्रतिशत से नीचे आ गई है। इस वजह से, जिन संयंत्रों पर असर पड़ा है, वहां यूरिया का उत्पादन लगभग 50 प्रतिशत कम हो गया है।

संयंत्र अधिकारियों के मुताबिक, वहीं इसके उलट इन जगहों पर ऊर्जा की खपत की खपत 40 प्रतिशत तक बढ़ गई है, क्योंकि कम लोड पर चलने वाली बड़ी अमोनिया-यूरिया ट्रेन की तापीय दक्षता में भारी गिरावट आई है। एक संयंत्र के परिचालन प्रबंधक ने कहका, "इस पैमाने के संयंत्र अपनी मर्जी से उत्पादन बढ़ाने या घटाने के लिए डिजाइन नहीं किए गए हैं।" इन हालात में काम करने का मतलब है कि आप कम उर्वरक बनाने के लिए ज्यादा ऊर्जा खर्च कर रहे हैं, और यह सीधे तौर पर वित्तीय नुकसान है। उर्वरक कंपनियों के अधिकारियों का कहना है कि परिचालन में समन्वय भी टूट गया है, जिससे स्थिति और खराब हो गई है। उद्योग के एक अन्य सूत्र ने कहा कि इस तरह के अचानक लोड में बदलाव बड़ी ट्रेन-आधारित अमोनिया-यूरिया संयंत्रों के लिए व्यावहारिक रूप से मुमकिन नहीं हैं।

विश्लेषकों का कहना है कि भारत दुनिया के सबसे बड़े यूरिया उपभोक्ताओं में से एक है, और लगातार घरेलू कमी आने वाले खरीफ बुवाई सत्र से पहले उर्वरक की उपलब्धता पर असर डाल सकती है। 19 मार्च तक, भारत के पास कुल 61.14 लाख टन यूरिया का भंडार था, जो एक साल पहले इसी अवधि के 55.22 लाख टन से ज्यादा है।

पवन सिंह के देवी गीत ' मईया के आरती' ने मचाया धमाल,127 मिलियन व्यूज पार

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा के पावरस्टार पवन सिंह का देवी गीत 'मईया के आरती' यूट्यूब पर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल कर रहा है। इस भक्ति गीत ने अब तक 127 मिलियन से ज्यादा व्यूज पार कर लिए हैं, जो इसकी बड़ी सफलता को दर्शाता है। दर्शकों के बीच यह गीत लगातार पसंद किया जा रहा है और सोशल मीडिया पर भी तेजी से शेयर हो रहा है। 'मईया के आरती' गीत में पवन सिंह की दमदार आवाज और भावपूर्ण प्रस्तुति ने भक्तों का दिल जीत लिया है। इस गीत के बोल आजाद सिंह और श्याम देहाती ने लिखे हैं, जबकि संगीत श्याम-आजाद की जोड़ी ने तैयार किया है। गाने की रिकॉर्डिंग राकेश शर्मा ने की है और म्यूजिक प्रोग्रामिंग शिशिर पांडेय ने की है। यह गीत वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स भोजपुरी के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है, जहां इसे दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है। इस गाने के पीआरओ ब्रजेश मेहर हैं। भक्ति से भरपूर यह देवी गीत खास तौर पर नवरात्र और धार्मिक अवसरों पर काफी सुना जाता है। पवन सिंह की आवाज और भक्ति भाव से भरे बोलों ने इस गीत को भोजपुरी दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय बना दिया है। म्यूजिक कंपनी ने दर्शकों के प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद भी दिया है और लोगों से चैनल को सब्सक्राइब करने की अपील की है। लगातार बढ़ते व्यूज यह साबित करते हैं कि भोजपुरी भक्ति गीतों की लोकप्रियता दर्शकों के बीच आज भी बरकरार है।

'कभी खुशी कभी गम' के सीक्वल पर बोले करण जौहर

मुंबई। बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' के सीक्वल को लेकर चल रही अटकलों पर आखिरकार विराम लग गया है। फिल्म के निर्देशक करण जौहर ने साफ कर दिया है कि फिलहाल 'कभी खुशी कभी गम 2' बनाने की कोई योजना नहीं है। एक हालिया इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इस दिशा में न तो कोई प्लानिंग चल रही है और न ही कोई डेवलपमेंट हो रहा है। करण जौहर ने यह भी स्पष्ट किया कि यह फिल्म दर्शकों के लिए बेहद खास है और इसकी विरासत को दोबारा छेड़ने का उनका कोई इरादा नहीं है। उनके मुताबिक, कुछ फिल्मों की यादें और प्रभाव इतने मजबूत होते हैं कि उन्हें वहीं रहने देना बेहतर होता है, बजाय इसके कि उनका सीक्वल बनाकर उस जादू को कमजोर किया जाए। दरअसल, पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर 'कभी खुशी कभी गम 2' को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही थीं।

'धुरंधर 2' पर चुप्पी को लेकर घिरीं

दीपिका पादुकोण

सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

मुंबई। धुरंधर 2 की सफलता के बीच दीपिका पादुकोण ट्रोलिंग का सामना कर रही हैं। फैंस नाराज हैं क्योंकि दीपिका पादुकोण ने न फिल्म की स्क्रीनिंग अटेंड की और न ही सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट किया। रणवीर सिंह स्टारर धुरंधर 2 बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है और लगातार नए रिकॉर्ड बना रही है। जहां एक तरफ फिल्म को दर्शकों और सितारों से भरपूर सराहना मिल रही है, वहीं दूसरी तरफ एक नया विवाद भी खड़ा हो गया है। इस बार चर्चा के केंद्र में हैं दीपिका पादुकोण, जिन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका पादुकोण न तो फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग में नजर आईं और न ही उन्होंने अपने पति रणवीर सिंह की इस बड़ी फिल्म को लेकर कोई पोस्ट शेयर किया। यही बात फैंस को खटक रही है। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स सवाल उठा रहे हैं कि जब फिल्म इतनी बड़ी हिट हो चुकी है, तो दीपिका की ओर से कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं आई। मामला तब और बढ़ गया जब स्क्रीनिंग मिस करने के बाद दीपिका पादुकोण को अपने ससुराल वालों के साथ एक कॉन्सर्ट में देखा गया। इस दौरान उनकी तस्वीरें और वीडियो वायरल हो गए। कई यूजर्स ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एक तरफ वह कॉन्सर्ट में शामिल हो रही हैं, लेकिन अपने पति की फिल्म के लिए समय नहीं निकाल पा रहीं। हालांकि, जहां एक तरफ कुछ लोग दीपिका की आलोचना कर रहे हैं, वहीं उनके सपोर्ट में भी बड़ी संख्या में फैंस सामने आए हैं। समर्थकों का कहना है कि किसी भी रिश्ते को सोशल मीडिया पोस्ट से नहीं आंका जाना चाहिए। उनका मानना है कि हर व्यक्ति की अपनी निजी जिंदगी और प्राथमिकताएं होती हैं, जिन्हें समझना जरूरी है। यह पहली बार नहीं है जब दीपिका पादुकोण की सोशल मीडिया एक्टिविटी चर्चा में आई हो। इससे पहले भी कई मौकों पर उनकी चुप्पी या सीमित प्रतिक्रिया को लेकर सवाल उठाए जा चुके हैं। हालांकि, अभिनेत्री ने कभी भी इन बातों पर सार्वजनिक रूप से ज्यादा प्रतिक्रिया नहीं दी है। विवादों के बावजूद धुरंधर 2 की रफ्तार बॉक्स ऑफिस पर बनी हुई है। फिल्म में रणवीर सिंह के अभिनय की जमकर तारीफ हो रही है और दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है।

'धुरंधर 2' की सफलता पर कंगना का बड़ा बयान

बोलीं- डायरेक्टर भी होते हैं असली स्टार

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने निर्देशक आदित्य धर का समर्थन करते हुए इंडस्ट्री के बड़े सितारों पर निशाना साधा है। कंगना ने कहा कि कई सुपरस्टार्स अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल करते हैं और फिल्म निर्देशकों पर दबाव बनाते हैं, जो फिल्म निर्माण की प्रक्रिया के लिए नुकसानदायक है। उन्होंने फिल्मकारों की रचनात्मक आजादी में हस्तक्षेप को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा कि इस प्रवृत्ति को बदलने की जरूरत है। कंगना रनौत ने 'धुरंधर 2' की सफलता पर खुशी जताते हुए आदित्य धर को सुपरस्टार डायरेक्टर बताया। उन्होंने कहा कि इस फिल्म ने यह साबित कर दिया है कि एक निर्देशक भी किसी बड़े अभिनेता जितना प्रभावशाली हो सकता है। उन्होंने हॉलीवुड का उदाहरण देते हुए स्टीवन स्पीलबर्ग, क्वेंटिन टारनटिनो और क्रिस्टोफर नोलन जैसे निर्देशकों का जिक्र किया, जो अपने-अपने आप में सुपरस्टार माने जाते हैं। कंगना का कहना है कि भारतीय सिनेमा में निर्देशकों को उनका उचित श्रेय नहीं मिल पाता। उन्होंने आगे कहा कि फिल्म की सफलता का अधिकांश श्रेय अक्सर अभिनेताओं को दे दिया जाता है, जबकि निर्देशक की मेहनत पीछे छूट जाती है।